

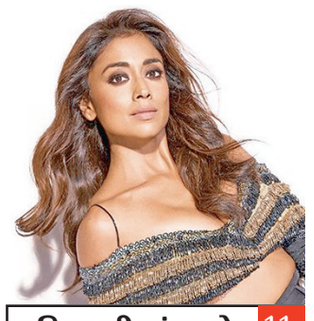
लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



इशिता की मां का रोल निभाने... 11

वर्ष - 02, अंक - 196 | गाजियाबाद / रविवार 18 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

अभिजीत दिपके को सशर्त जमानत दोबारा शांति बॉन्ड भरने के बाद रिहा

कनॉट प्लेस में निषेधाज्ञा तोड़ने पर कई फआईआर दर्ज



नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे विरोध के बीच कॉक१ङ्ख जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को शनिवार को सशर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया। दिल्ली पुलिस ने उन्हें शांति बनाए रखने के लिए दोबारा बॉन्ड पर हस्ताक्षर करने के बाद छोड़ा। इससे पहले उन्हें 16 अक्टूबर को ह्यलहरा दो तिरंगाह्व विरोध मार्च में शामिल होने जाते समय हिरासत में लिया गया था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अभिजीत दिपके को 10 अक्टूबर को भरे गए शांति बॉन्ड की शर्तों के कथित उल्लंघन के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126 और 170 के तहत कार्रवाई की गई। इसके बाद उन्हें मंदिर मार्ग पुलिस थाने लाया गया और विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट (एसईएम) के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस ने बताया कि दिपके को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी गई। रिहाई के लिए उन्हें दोबारा शांति बॉन्ड पर हस्ताक्षर करने पड़े। उपलब्ध समाचार रिपोर्टों के अनुसार, बॉन्ड की एक प्रमुख शर्त एक वर्ष तक शांति और अच्छा आचरण बनाए रखने से संबंधित है।

अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसए) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को भी 16 अक्टूबर को विरोध मार्च से पहले हिरासत में लिया गया था। दिल्ली पुलिस ने उन्हें शनिवार सुबह आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद रिहा कर दिया। उनकी हिरासत दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 65 के तहत की गई थी।

सीजेपी और छात्र संगठनों ने हिरासत में लिए गए लोगों की जानकारी उपलब्ध कराने और उन्हें कानूनी सहायता देने की मांग उठाई थी। कुछ समय तक दोनों नेताओं के ठिकाने को लेकर भी सवाल उठे। सीजेपी ने आरोप लगाया था कि दिपके को हिरासत में लेने के बाद उनके परिवार और वकीलों को उनसे संपर्क करने में परेशानी हुई। हालांकि, पुलिस ने उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया कदम बताया।

सीजेपी ने 16 अक्टूबर को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध मार्च का आह्वान किया था। इसका उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठाना था। प्रदर्शनकारी मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एसआईआर प्रक्रिया रोकने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस प्रक्रिया से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हो सकते हैं और मतदान के अधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर, निर्वाचन आयोग ने पक्षपात के आरोपों को खारिज किया है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को मध्य दिल्ली के विभिन्न इलाकों में लगभग 150 लोगों को हिरासत में लिया था। पुलिस का कहना था कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात सुचारु रखने के लिए की गई। पुलिस ने निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन और मार्च के दौरान यातायात बाधित होने के मामलों में कई प्राथमिकी दर्ज करने की बात भी कही थी।

महिला संगठनों का पुलिस मुख्यालय तक मार्च

इसी विवाद के बीच शनिवार को महिला संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान महिला और ट्रांसजेंडर प्रदर्शनकारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और शारीरिक हिंसा के आरोपों में पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारी गुरुद्वारा बंगला साहिब के पास एकत्र हुए और वहां से पुलिस मुख्यालय की ओर मार्च किया। उनके हाथों में पोस्टर और बैनर थे। उन्होंने कथित उत्पीड़न के मामलों में जवाबदेही तय करने तथा दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की मांग की। संगठनों ने अपने बयान में दावा किया कि वीडियो, तस्वीरों और पीड़ितों के बयानों में महिला, ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी प्रदर्शनकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार के मामले सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान कुछ घटनाएं हिरासत में ले जाने वाली बसों और हिरासत केंद्रों में भी हुईं। ये आरोप प्रदर्शनकारी संगठनों की ओर से लगाए गए हैं; इन्हें स्वतंत्र रूप से सिद्ध तथ्य नहीं माना जा सकता।

ग्रुप 'सी' के रेलवे कर्मी अब राज्य या केन्द्र के गैर-संवर्गीय पदों पर नहीं ले पाएं प्रतिनियुक्ति

नई दिल्ली। रेलवे के अधीन काम करने वाले ग्रुप 'सी' के कर्मचारी अब राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के तहत गैर-संवर्गीय पदों पर प्रतिनियुक्ति नहीं ले पाएंगे। रेलवे बोर्ड के निदेशक वित्त (स्थापना) मनीष सहरावत की ओर से जारी अधिसूचना में इस बात की जानकारी संबंधित इकाइयों को दी गई इसमें बताया गया है कि रेलवे बोर्ड ने ग्रुप 'सी' के कर्मचारियों के राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के तहत गैर-संवर्गीय पदों पर प्रतिनियुक्ति लेने पर रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध उनके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्वायत्त निकायों, वैधानिक निकायों, विश्वविद्यालयों और स्थानीय निकायों में प्रभावी होगा।

कर्नाटक: मासूम से दरिंदगी के दोषी को मौत की सजा

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु की फास्ट ट्रैक अदालत ने शनिवार को 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में आरोपी कार्तिक को मौत की सजा सुनाई। बच्ची पिछले साल दशहरा उत्सव के दौरान अपने परिवार के साथ गुब्बारे बेचने के लिए मैसूरु आई थी। बच्ची के शरीर पर चाकू से वार किए जाने के 19 निशान मिले थे।

अजय देवगन के बंगले का अवैध निर्माण ढहाया

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन के मुंबई के जुहू स्थित बंगले के कुछ हिस्सों को बीएमसी द्वारा गिरा दिया गया। इससे कुछ दिन पहले अभिनेता को 'अनधिकृत' निर्माण को लेकर काम रोकने का नोटिस दिया गया था। मुंबई के जुहू इलाके में अजय देवगन का बंगला 7,802 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है, जो कपोल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (जेवीपीडी स्कीम, एन.एस. रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में स्थित है।



सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में अनिस्तारित/रिक्त /नवसृजित विभिन्न श्रेणी के आवासीय, व्यवसायिक, मिक्स लैण्ड यूज, फैसलिटी भूखण्ड, कन्वीनियेन्ट शॉपिंग भूखण्ड, दुकान भूखण्ड, ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड, ओल्ड एज होम, सामुदायिक केन्द्र भूखण्ड, शिक्षण संस्थान, हॉस्पिटल भूखण्ड इत्यादि सम्पत्तियों को विक्रय किये जाने की भव्य नीलामी, नीलामी में निम्न सम्पत्तियां सम्मिलित की गयी है:-

नीलामी दिनांक: 12.11.2026 नीलामी स्थल- हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद समयः- प्रातः 11:00 बजे से

आवेदन प्रारम्भ की तिथि 21.10.2026 से 05-11-2026 तक

क्र0सं0	योजना का नाम	सम्पत्ति का प्रकार
1	मधुबन बापूधाम पॉकेट -ए0	6 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड, 2 मिक्स लैण्ड यूज भूखण्ड
2	मधुबन बापूधाम पॉकेट -बी0	1 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड, 2 होटल भूखण्ड, 1 मिक्स लैण्ड यूज भूखण्ड
3	मधुबन बापूधाम पॉकेट -सी0	1 होटल भूखण्ड, 4 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड
4	मधुबन बापूधाम पॉकेट -डी0	3 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड
5	मधुबन बापूधाम पॉकेट -ई0	1 मिक्स लैण्ड यूज भूखण्ड
6	मधुबन बापूधाम पॉकेट -एफ0	1 व्यवसायिक भूखण्ड
7	कोयल एक्लेव योजना	1 व्यवसायिक भूखण्ड
8	इन्दिरापुरम योजना न्यायखण्ड-1	27 व्यवसायिक भूखण्ड
9	इन्दिरापुरम ज्ञानखण्ड-3	2 आवासीय भूखण्ड
10	इन्दिरापुरम योजना अभय खण्ड	1 व्यवसायिक भूखण्ड
11	इन्दिरापुरम विस्तार ब्लॉक-ए	19 आवासीय भूखण्ड, 2 व्यवसायिक भूखण्ड
12	इन्दिरापुरम विस्तार ब्लॉक-बी	5 आवासीय भूखण्ड
13	इन्दिरापुरम योजना शक्तिखण्ड-4	1 क्योस्क भूखण्ड
14	वैशाली योजना सैक्टर-6	1 सामुदायिक केन्द्र भूखण्ड, 1 ओल्ड एज भूखण्ड
15	कौशाम्बी योजना	1 व्यसायिक भूखण्ड
16	कर्पूरीपुरम योजना	1 होटल भूखण्ड, 1 ओल्ड एज भूखण्ड
17	अम्बेडकर रोड डिस्ट्रिक्ट सैन्टर	9 व्यवसायिक भूखण्ड
18	यू.पी. बार्डर पॉकेट ए	1 दुकान भूखण्ड

नोट: उपरोक्त तालिका के क्रमांक-4 पर अंकित ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों में से भूखण्ड संख्या-D/GH-1 का क्षेत्रफल 37,414.00 वर्ग मी0 में से कुछ भाग मा0 उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश से प्रभावित है, जिसके कारण प्रश्नगत भूखण्ड का अंतिम क्षेत्रफल घट-बढ सकता है।

प्रस्तावित शैक्षिक संस्थाओं एवं चिकित्सा संस्थाओं के भूखण्डों का विवरण

क्र0सं0	योजना का नाम	सम्पत्ति का प्रकार
1	कोयल एन्क्लेव योजना	2 प्राइमरी/नर्सरी स्कूल भूखण्ड, 1 हायर सेकेन्डरी स्कूल, 1 हैल्थ सैन्टर भूखण्ड
2	इन्दिरापुरम न्यायखण्ड-1	1 हॉस्पिटल भूखण्ड
3	वैशाली योजना सैक्टर-6	1 हैल्थ सैन्टर भूखण्ड
4	कौशाम्बी योजना	1 प्राइमरी भूखण्ड
5	बधुबन बापूधाम पॉकेट - बी0	1 फैसलिटी भूखण्ड
6	मधुबन बापूधाम योजना पॉकेट -एफ0	1 प्राइमरी/नर्सरी स्कूल भूखण्ड, 1 हाईस्कूल भूखण्ड, 1 डिग्री कॉलेज, 1 हैल्थकेयर हॉस्पिटल भूखण्ड

नोट: उपरोक्त प्रस्तावित सम्पत्तियों की संख्या अनुमानित है, जो घट-बढ़ सकती है, जिसकी सूचना प्राधिकरण वेबसाईट पर भी अपलोड कर दी जायेगी।

उपरोक्त सम्पत्तियों के सापेक्ष नीलामी में प्रतिभाग किये जाने हेतु प्राधिकरण की वेबसाईट www.gdaghaziabad.in पर दिनांक 21-10-2026 से 05-11-2026 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन आमंत्रित किये जायेगें तथा ऑफलाइन आवेदन हेतु एच0डी0एफ0सी0 बैंक लि0 की मुख्य शाखा-आर0डी0सी0 राजनगर, जनपद-गाजियाबाद से निर्धारित शुल्क जमा कराकर आवेदन विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) प्राप्त/ जमा किये जाने है, जिसके अनुसार प्राधिकरण द्वारा दिनांक 12-11-2026 को प्रस्तावित सम्पत्तियों की नीलामी लोहियानगर, गाजियाबाद स्थित हिन्दी भवन में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित की जायेगी।

विवेक कुमार मिश्र
पी0सी0एस0
सचिव गा.वि.प्रा.

नन्द किशोर कलाल
आई0ए0एस0
उपाध्यक्ष गा.वि.प्रा.

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
(ISO 9001:2015 एवं ISO 14001:2015 प्रमाणित संस्था)
वेबसाइट: www.gdaghaziabad.in
विकास पथ, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
हेल्पलाईन नं: 0120-4418384, व्हाट्सएप: 9990988004
ई-मेल: helplinegda@gmail.com @Gda Ghaziabad :gdagzb

कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

गोलीबारी के बाद तलाशी अभियान जारी

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। शनिवार सुबह जुमगुंड इलाके में संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने के बाद सतर्क जवानों ने घुसपैठियों को चुनौती दी। इस दौरान दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी हुई। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जवानों ने नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि देखी थी। इसके बाद घुसपैठ की कोशिश को विफल करने के लिए कार्रवाई की गई। फिलहाल अभियान जारी है और घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार है। मामले की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं हुई है।

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा करीब 740 किलोमीटर लंबी है। यह कुपवाड़ा, बांदीपोरा और बारामूला समेत घाटी के कई जिलों के साथ जम्मू संभाग के राजौरी और पुंछ क्षेत्रों से गुजरती है। भारतीय सेना नियंत्रण रेखा की सुरक्षा करती है। घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसमें करीब 550 किलोमीटर लंबी बाड़ भी शामिल है, जिसकी निगरानी की जाती है। नियंत्रण रेखा के अलावा जम्मू-कश्मीर में करीब 200 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा भी है, जो जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों से लगती है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

पुल से 15 फीट नीचे गिरी मिनी बस आठ श्रद्धालुओं की मौत, 15 घायल



कोटा, (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। हादसा सिमलिया थाना क्षेत्र में उस समय हुआ, जब भोपाल से खाटूश्याम दर्शन के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी मिनी बस अनियंत्रित होकर पुल से नीचे नाले में जा गिरी। करीब 15 फीट की ऊंचाई से बस गिरने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां गंभीर रूप से घायल यात्रियों को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, हादसा शनिवार सुबह करीब 6:30 बजे आठ लेन वाले एक्सप्रेसवे पर हुआ। मिनी बस में 25 से अधिक श्रद्धालु सवार थे। सभी लोग भोपाल से राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्याम की यात्रा पर निकले थे। बताया गया कि बस एक नाले के ऊपर बने पुल से टकराने के बाद नीचे गिर गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों ने राहत एवं बचाव कार्य में मदद की और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। बस के नाले में गिरने के कारण यात्रियों को बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। नाले में कीचड़ और पानी होने से बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण रहा। घायलों को निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। इसके बाद सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोटा ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने आठ लोगों की मौत और 15 से अधिक यात्रियों के घायल होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बस में सवार यात्री अलग-अलग परिवारों से थे, लेकिन एक-दूसरे को जानते थे। यात्रा की योजना बनाने वाला व्यक्ति भी बस में सवार था। वह हादसे में घायल हो गया और उसका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

ग्रेटर नोएडा में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

नूडल्स खाने के बाद बिगड़ी थी तबीयत

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसी)। गौतमबुद्ध नगर जिले के रबूपुरा थाना क्षेत्र के नगला श्री पदम गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। शनिवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस, फॉरेंसिक टीम और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर खाद्य विषाक्तता की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान महेश (37), उनकी पत्नी ललिता (35) और तीन बच्चों लड्डू (11), मिष्टी (7) तथा साक्षात (3) के रूप में हुई है। परिवार के पांचों सदस्यों की मौत से गांव में शोक का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि परिवार के सदस्यों ने घटना से पहले रात में नूडल्स खाए थे। आसपास के लोगों और महेश की मां ने भी पुलिस को इसकी जानकारी दी है। इसी आधार पर पुलिस खाद्य विषाक्तता की आशंका को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

मानहानि मामले में यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी

2018 के मामले में साकेत कोर्ट की कार्रवाई, अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को



नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ वर्ष 2018 के मानहानि मामले में जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला विकास सांकृत्यायन उर्फ विकास पांडे की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि नोटिस तामील कराने पहुंचे कर्मचारी की रिपोर्ट के अनुसार ध्रुव राठी का घर बंद मिला। इसके बाद अदालत ने वारंट जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई 31 अक्टूबर तय की।

इससे पहले 12 अक्टूबर को भी अदालत ने ध्रुव राठी के खिलाफ नए समन जारी किए थे। यह मामला केस संख्या 5786/2018 से जुड़ा है। इसकी शुरूआत मई 2018 में ध्रुव राठी की ओर से प्रकाशित वीडियो ह्यभाजपा आईटी सेल पार्ट-2 से हुई थी।

शिकायतकर्ता विकास सांकृत्यायन ह्यआई सपोर्ट नरेंद्र मोदीह्व नामक सोशल मीडिया पेज के संस्थापक हैं। आरोप है कि वीडियो में ध्रुव राठी ने विकास पांडे को भाजपा आईटी सेल में वरिष्ठ पद पर बताया था। साथ ही दावा किया था कि उन्होंने महावीर प्रसाद नाम के एक व्यक्ति को कथित रूप से फर्जी खबरें फैलाने से जुड़े बयान वापस लेने के लिए 50 लाख रुपये देने की पेशकश की थी।

इस मामले में साकेत कोर्ट ने पहली बार जुलाई 2019 में ध्रुव राठी को समन जारी किया था। हालांकि, कई वर्षों तक समन तामील नहीं हो सके, क्योंकि ध्रुव राठी मुख्य रूप से विदेश में रहते हैं।

हालिया कार्रवाई से पहले शिकायतकर्ता के वकील ने मामले की जल्द सुनवाई के लिए आवेदन दिया था। वकील ने अदालत को बताया था कि ध्रुव राठी फिलहाल भारत आए हुए हैं और गुरुग्राम में रह रहे हैं। इसी के बाद अदालत ने नए समन जारी किए थे।

वहीं, ध्रुव राठी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि वह वर्तमान में लंदन में हैं।

अश्लील वेबसाइटों पर सरकार लगाए उचित प्रतिबंध : सुप्रीम कोर्ट

ऑनलाइन सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों जरूरी, बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर करना गलत

● अनजान वयस्कों के संदेशों पर नियंत्रण के भी पक्ष में



नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट के इस्तेमाल और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर अहम् टिप्पणी करते हुए कहा कि इंटरनेट तक पहुंचने के अधिकार से बच्चों को पूरी तरह वंचित करना उचित नहीं होगा। बच्चों को भी अन्य लोगों की तरह संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मौलिक अधिकार हासिल हैं। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता एक-दूसरे के विरोध में नहीं हैं। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर कर देना उनकी ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने का सही समाधान नहीं है। इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने से बच्चे असुरक्षित और अनियंत्रित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की ओर जा सकते हैं, जिससे उनके सामने नए जोखिम पैदा हो सकते हैं। कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री पर नियंत्रण के लिए कई उपाय भी सुझाए। इनमें बच्चों के ऑनलाइन खातों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, माता-पिता की सहमति और मार्गदर्शन को बढ़ावा देना तथा बच्चों के निजी खातों को प्राथमिकता देना शामिल है।

डीएमके ने की मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और बैलेट से चुनाव की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसदों की चेन्नई में हुई बैठक में चुनाव प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर महत्वपूर्ण मांगें उठाई गईं। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की गई है। सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने जा रही है यह माना जा रहा था कि डीएमके सरकार को समर्थन देगी जिसके लिए यह बैठक बुलाई गई थी लेकिन इस बैठक में जिस तरह की शर्तों को सामने लाया गया है. उसने सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं. डीएमके के इस रुख को देखते हुए सरकार विशेष सत्र बुलाएगी या नहीं इसमें भी प्रश्न चिन्ह लग गया है. डीएमके सांसदों ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं का विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रही शंकाओं को दूर करने की आवश्यकता पर सांसदों की बैठक में चर्चा हुई है। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग से देश में राजनीतिक बदलाव को लेकर बड़ी चर्चा हो रही है. निर्वाचन आयोग की जवाब देही को लेकर राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है।

भरूच की दवा-फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 की मौत

भरूच (एजेंसी)। गुजरात के भरूच की सिंजील फार्माकेम नाम की एक दवा फैक्ट्री के रिएक्टर धमाके में 5 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 6 लोग घायल हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। धमाका इतना तेज था कि इसके तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड नाम की एक जहरीली गैस का रिसाव भी शुरू हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। हादसा उस वक्त हुआ जब 15 हजार लीटर क्षमता वाले रिएक्टर में काम चल रहा था। धमाका इतना जोरदार था कि रिएक्टर के परखच्चे उड़कर फैक्ट्री की चारदीवारी के बाहर जा गिरे। धमाके की आवाज करीब 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके असर से फैक्ट्री में लगी भारी मशीनें और लोहे की चादरें टूट-फूटकर चारों तरफ बिखर गईं। धमाके के तुरंत बाद फैक्ट्री से एमडीसी गैस का रिसाव होने लगा, जिससे अंदर और बाहर गहरा धुआं फैल गया। वहां मौजूद लोगों और मजदूरों की आंखों में तेज जलन होने लगी और गैस की चपेट में आने से कई कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई।

संघ महिला संगठन प्रमुख का प्रदर्शनों पर निशाना : दिमागी नक्सलवाद जेन-जी को भड़का रहा

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में राष्ट्र सेविका समिति के वार्षिक विजयादशमी उत्सव के मौके पर, आरएसएस के महिला संगठन की प्रमुख वी.शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शनों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इन प्रदर्शनों को भारत में अस्थिरता पैदा करने वाला और असंवैधानिक बताया, जिस पर देश की मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है। आरएसएस के महिला संगठन की प्रमुख शांताकुमारी ने दिमागी नक्सलवाद को जहरीले विचारों का सबसे खतरनाक और अदृश्य इकोसिस्टम बताया। उनके अनुसार, यह जेन-जी (जेन-जी) का ब्रेनवॉश कर रहा है और युवाओं व महिलाओं के मन में अशांति पैदा कर उन्हें अपने स्वार्थों के लिए भड़का रहा है। 16 अक्टूबर को राष्ट्र सेविका समिति के शस्त्रपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य भारत में अस्थिरता फैलाना और देश की संस्कृति को नष्ट करना है, न कि समाज में कोई रचनात्मक बदलाव लाना। उन्होंने जंतर-मंतर पर लगातार हो रहे प्रदर्शनों को असंवैधानिक प्रदर्शन करार दिया और कहा कि देश अराजकता का सामना कर रहा है। गौरतलब है कि दिमागी नक्सली शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में किया था। उन्होंने कहा था कि भले ही हम जंगलों से सशस्त्र नक्सलियों को खत्म करने में सफल रहे हों, लेकिन दिमागी नक्सली अभी भी आसपास मौजूद हैं और सक्रिय हैं।

दृश्यम 3 से प्रेरित होकर ठाणे में नाबालिगों ने दोस्त की हत्या की

-सोने की चेन लूट....बाइक खरीदने और पार्टी करने के लिए

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में दृश्यम 3 फिल्म से प्रेरित सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहाँ 12वीं कक्षा के दो नाबालिग छात्रों ने अपने 17 वर्षीय सहपाठी की निर्मम हत्या की। पुलिस के अनुसार, इस जघन्य अपराध को दोस्त की सोने की चेन लूटने, एक जन्मदिन पार्टी मनाने और बाइक खरीदने की चाहत में अंजाम दिया। आरोपियों ने हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए शव को जलाने और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अपराध को छिपाने के लिए हाल ही में देखी गई 'दृश्यम 3' फिल्म की तरकीबों का इस्तेमाल किया। उन्होंने 24 सितंबर की शाम पीड़ित को सिगरेट पीने के बहाने घोड़बंदर रोड पर ब्रह्मांड फेज-2 के पास सुनसान जगह पर बुलाया। वहाँ उन्होंने चाकू से उस पर कई वार किए और फिर पत्थर से उसका चेहरा कुचल दिया। वारदात के बाद शव को झाड़ियों में छिपा दिया गया। अगले दिन, सबूत मिटाने के इरादे से दोनों नाबालिग पेट्रोल लेकर लौटे और शव में आग लगा दी। पीड़ित के 24 सितंबर को घर से निकलने के बाद वापस न आने पर उसके पिता ने अगले दिन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

जनगणना की तैयारियों में जुटा प्रशासन, समयबद्ध और त्रुटिरहित आंकड़े जुटाने पर जोर

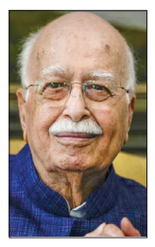
रुड़की/हरिद्वार (शिखर समाचार)। आगामी जनगणना के सफल संचालन के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र शेट की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर जनगणना संबंधी गतिविधियों, विभागीय समन्वय, कार्मिकों की जिम्मेदारियों और आंकड़ों के संकलन की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पूरी करने और निर्धारित दिशा-निदेशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जनगणना तहसीलदार रुड़की, खंड शिक्षा अधिकारी रुड़की, नगर पालिका मंगलौर, पाडली गुर्जर और पिरान कलियर के अधिशासी अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रभारी अधिकारियों और आंकड़ा संचालकों ने भाग लिया। इस दौरान आगामी जनगणना के तहत किए जाने वाले कार्यों, आंकड़ों के संकलन और



उनके डिजिटल अभिलेखीकरण की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इससे प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं और सरकारी नीतियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना संबंधी जिम्मेदारियों का गंभीरता और जवाबदेही के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं की समय रहते समीक्षा करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया। बैठक में आंकड़ा संचालकों को जानकारी दर्ज करते समय शुद्धता बनाए रखने और अभिलेखों को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि जनगणना कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए और जरूरी सूचनाओं का समयबद्ध आदान-प्रदान सुनिश्चित किया जाए। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित विभाग जनगणना की तैयारियों को प्राथमिकता देते हुए शासन और जनगणना निदेशालय के दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और निर्धारित समयसीमा के भीतर संपन्न हो सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, प्रभारी अधिकारी और आंकड़ा संचालक उपस्थित रहे।

लाल कृष्ण आडवाणी सीने में संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद शुक्रवार शाम को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक 98 साल के आडवाणी को शाम करीब 7:30 बजे अस्पताल लाया गया। उन्हें



पल्मोनरी विभाग में भर्ती किया गया है और डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि वरिष्ठ नेता का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। बता दें आडवाणी को इससे पहले इस साल मई में उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे कुछ दिनों तक अस्पताल में रहे और फिर उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। बीजेपी के इस दिग्गज नेता ने तीन बार 1986-1990, 1993-1998 और 2004-2005 पार्टी अध्यक्ष के रूप में काम किया। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में 1998 से 2004 तक केंद्रीय गृह मंत्री और 2002 से 2004 तक उप प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभाई। दिसंबर 2024 में आडवाणी को मेडिकल जांच और इलाज के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। वे न्यूरोलॉजिस्ट की देखरेख में रहे थे।

एमडीडीए का अवैध निमार्णों पर बड़ा प्रहार, चार स्थानों पर चला बुलडोजर अभियान

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निर्माण और अनधिकृत प्लॉटिंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 17 अक्टूबर को चार स्थानों पर अभियान चलाया। इस दौरान धर्मपुर और कॉवली क्षेत्र में बिना आवश्यक स्वीकृति किए जा रहे बहुमंजिला निमार्णों को सील किया गया, जबकि सेलाकुई क्षेत्र में लगभग 20 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध रूप से निर्माण करने और बिना स्वीकृति भूखंड विकसित करने वालों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एमडीडीए ने नियोजित शहरी विकास और निर्माण संबंधी मानकों के अनुपालन को प्राथमिकता बताते हुए ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

धर्मपुर और कॉवली में बहुमंजिला निर्माण सील

एमडीडीए की टीम ने धर्मपुर स्थित प्रगति विहार की लेन नंबर छह में उपेंद्र अग्रवाल द्वारा किए गए अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। इसके अतिरिक्त मानसरोवर



कॉलोनी, कॉवली में कैलाश, सतीश और हरीश डोभियाल द्वारा किए जा रहे अवैध बहुमंजिला निर्माण पर भी प्राधिकरण की टीम ने कार्रवाई की और निर्माण को सील कर दिया। प्राधिकरण के अनुसार भवन निर्माण के दौरान निर्धारित मानकों और स्वीकृत मानचित्र का पालन करना अनिवार्य है। आवश्यक अनुमति के बिना निर्माण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सेलाकुई में 20 बीघा अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त

अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान के तहत एमडीडीए की टीम ने न्यू हाईवे, शिमला बाईपास क्षेत्र के कल्याणपुर, सेलाकुई में देवेंद्र रावत एवं अन्य द्वारा लगभग 10 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया। वहीं, न्यू हाईवे, सेलाकुई में नवाज अली और भू-स्वामी द्वारा लगभग 10 बीघा भूमि पर की जा रही प्लॉटिंग के खिलाफ भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इस प्रकार दोनों स्थानों पर कुल लगभग 20 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान क्षेत्रीय सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर और पुलिस बल मौजूद रहे।

अवैध प्लॉटिंग से भविष्य में खड़ी हो सकती हैं नागरिक सुविधाओं की समस्याएं



एमडीडीए का कहना है कि अनधिकृत कॉलोनियों और अवैध प्लॉटिंग के कारण भविष्य में सड़क, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। बिना निर्धारित मानकों के विकसित किए गए भूखंडों पर बाद में नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण द्वारा अवैध निमार्णों और अनधिकृत प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। प्राधिकरण ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी भूखंड की खरीदारी करने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति, भूमि संबंधी अभिलेख और संबंधित विभागों से प्राप्त आवश्यक स्वीकृतियों की जांच अवश्य कर लें।

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी बोले, अवैध निर्माण और प्लॉटिंग पर जारी रहेगी सख्ती

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और अनधिकृत प्लॉटिंग के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नियोजित विकास और बेहतर शहरी व्यवस्था के विजन के अनुरूप प्राधिकरण की प्राथमिकता है कि सभी विकास कार्य निर्धारित नियमों और मानकों के अनुसार हों। बिना स्वीकृति निर्माण करने और अवैध प्लॉटिंग के जरिए नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य केवल अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि देहरादून और आसपास के क्षेत्रों का व्यवस्थित एवं सुरक्षित विकास सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने नागरिकों से भूमि खरीदने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति और आवश्यक स्वीकृतियों की जांच करने की अपील की।

शिकायतों और स्थलीय निरीक्षण के आधार पर हो रही कार्रवाई

एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के मामलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्राप्त शिकायतों और स्थलीय निरीक्षण के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। धर्मपुर, कॉवली और सेलाकुई में की गई कार्रवाई इसी अभियान का हिस्सा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि भवन निर्माण करने अथवा भूमि पर प्लॉटिंग विकसित करने से पहले संबंधित विभाग से आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करें। नियमों का पालन करके ही शहर के व्यवस्थित, सुरक्षित और टिकाऊ विकास में सहयोग किया जा सकता है।

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य प्रक्रिया, बीजेपी इतना गुस्सा क्यों दिखा रही है?

-पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने सत्ता परिवर्तन शब्द को लेकर बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी।



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान सत्ता परिवर्तन शब्द के इस्तेमाल को लेकर शुरू हुई राजनीतिक बहस अब और तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने शनिवार को इस शब्द का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और स्वाभाविक प्रक्रिया है। उन्होंने बीजेपी की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाते हुए साफ किया कि विपक्ष का मूलभूत कर्तव्य सरकार का विरोध करना, उसकी कमियों को उजागर करना और चुनाव के जरिए उसे सत्ता से करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिदंबरम ने एक्स पर अपनी पोस्ट में बीजेपी की आपत्ति पर तंज कसा और कहा कि सत्ता परिवर्तन शब्द के इस्तेमाल पर बीजेपी इतना गुस्सा क्यों दिखा रही है? लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन सामान्य बात है। इस प्रक्रिया को विरोध करो, पर्दाफाश करो और सत्ता से हटाओ के रूप में सरल शब्दों में समझाया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन को सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बताया। इसके साथ ही छात्र कार्यकर्ता नेहा बोरा ने बांग्लादेश में जेन-जी आंदोलन का उल्लेख किया, जिसे बीजेपी ने मोदी सरकार को चुनावी प्रक्रिया से बाहर हटाने की कोशिश के संकेत के रूप में देखा। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन और लोकतांत्रिक माध्यम से सरकार बदलना लोकतंत्र का वैध हिस्सा है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने इन बयानों को राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश से जोड़ा। पार्टी के मुताबिक बांग्लादेश के आंदोलन का संदर्भ और प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा व्यापक राजनीतिक अशांति फैलाने के इरादे की ओर इशारा करती है। इस मुद्दे पर बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं ने विपक्ष की कड़ी आलोचना की है। बीजेपी प्रवक्ताओं ने भी विपक्ष के बयानों पर तीखे सवाल उठाए हैं। यह राजनीतिक विवाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के बीच और गहरा गया है, जहां प्रदर्शनकारी चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर सवाल उठा रहे हैं। बीजेपी और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का यह दौर फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है।

कुंभ-2027 की तैयारियों में तेजी, अपर मेलाधिकारी ने आधी रात निर्माण स्थलों का लिया जायजा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के लिए मेला प्रशासन ने निर्माण कार्यों की निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने पिछली मध्य रात्रि विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाने, पर्याप्त श्रमिक तैनात करने तथा गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर मेलाधिकारी ने खड़खड़ी में सूखी नदी पर निमार्णाधीन पुल और भूपतवाला से जटवाड़ा पुल तक पुरानी दिल्ली-नीति पास मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण, फुटपाथ निर्माण तथा घाटों पर चल रहे कार्यों की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रमुख परियोजनाओं को आवश्यकता के अनुसार दिन और रात की पाली में पूरा कराया जाए, ताकि निर्धारित समयसीमा का पालन हो सके। जहां श्रमिकों की संख्या कम हो या कार्यों की गति संतोषजनक न मिले, वहां तत्काल सुधार किया जाए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने पर भी जोर दिया गया। मेला प्रशासन कंट्रोल रूम, ऑनलाइन माध्यमों और स्थलीय निरीक्षण के जरिए निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी कर रहा है। जिला आपातकालीन परिचालन



केंद्र, रोशनाबाद में स्थापित नियंत्रण कक्ष से दैनिक प्रगति रिपोर्ट और अलग-अलग पालियों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं, ताकि कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। मेलाधिकारी सोनिका ने निर्माण स्थलों पर सूचना पट्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश भी दिए हैं। इन पर कार्य का नाम, स्वीकृत लागत, शुरूआत और पूरा होने की निर्धारित तिथि तथा संबंधित ठेकेदार और अभियंताओं के दूरभाष नंबर अंकित किए जाएंगे। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

मेला प्रशासन का लक्ष्य सड़कों, पुलों, घाटों और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को तय समय में पूरा करना है, ताकि कुंभ मेला-2027 के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

रबूपुरा में परिवार पर टूटा कहर, दंपती और तीन बच्चों की संदिग्ध हालात में मौत

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। गौतमबुद्ध नगर के रबूपुरा क्षेत्र के गांव नगला पदम सिंह में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। शनिवार सुबह घर के कमरे में पांचों के शव मिलने पर पुलिस, फॉरेंसिक टीम और खाद्य विभाग ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शुरूआती जांच में खाद्य विषाक्तता की आशंका जताई गई है, लेकिन मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। मृतकों की पहचान महेश (36), पत्नी ललतेश (32), बेटे साक्ष उर्फ लड्डु (12) और प्रियांश (3) तथा बेटी मिष्ठी (9) के रूप में हुई है। परिवार में महेश की 75 वर्षीय मां चंद्रावती भी रहती थीं,



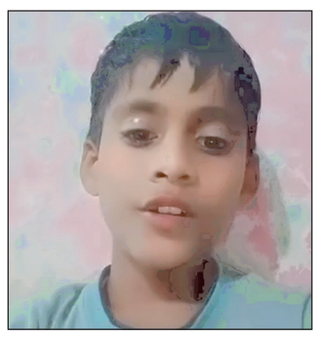
जो घटना के समय दूसरे कमरे में सो रही थीं। बताया गया कि शुक्रवार रात महेश पत्नी और बच्चों के साथ रबूपुरा में रामलीला देखने गए थे। रात करीब साढ़े दस बजे घर लौटने के बाद परिवार ने मैगी खाई और चाय पी। इसके बाद सभी सोने चले गए।



शनिवार सुबह करीब सात बजे पड़ोस में रहने वाले एक बच्चे ने महेश के बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर वह दीवार फांदकर घर में पहुंचा, जहां पांचों मृत मिले। सूचना पर डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी सहित



पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और खाद्य विभाग ने खाने के नमूने जांच के लिए भेजे। इस बीच मृतक के ससुराल पक्ष ने संपत्ति विवाद को लेकर महेश की मां और बहनों पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया है। वहीं, कुछ ग्रामीणों ने



महेश के कथित मानसिक तनाव के चलते सामूहिक आत्महत्या की आशंका जताई। पुलिस ने इन आरोपों की पुष्टि नहीं की है और खाद्य विषाक्तता, हत्या तथा आत्महत्या सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटनास्थल पर हुए हंगामे के बाद महेश की तीन बहनों और



दिवंगत बड़े भाई की पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

सेवा संकल्प अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक और अधिकारी सम्मानित



बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को इंदिरा बाल भवन में रंगोली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुरादाबाद मंडल की आयुक्त संगीता सिंह ने परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा बनाई गई रंगोलियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अभियान की भावना के अनुरूप उत्कृष्ट कार्य करने वाले सहायक अध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आयुक्त संगीता सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया गया, जिसका मुरादाबाद मंडल में सफलतापूर्वक संचालन किया गया। अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना से किए गए प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सरकारी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षक जनभागीदारी के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़ते हैं, तो समाज में जागरूकता बढ़ने के साथ विकास कार्यों को भी गति मिलती है। सेवा संकल्प अभियान की संकल्पना ह्यसेवा के रंग, राष्ट्र के संगह्ण इसी भावना को साकार करती है। ऐसे प्रयास विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित सहित अन्य मजिस्ट्रेट, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

किसानों की रकम वापसी तक जारी रहेगा भाकियू का धरना, छठे दिन भी बैंक के बाहर डटे किसान

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। प्रदेश ग्रामीण बैंक की बुढ़ाना शाखा में किसानों के खातों से कथित तौर पर गायब हुई रकम वापस दिलाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को छठे दिन भी जारी रहा। संगठन के कार्यकर्ता बैंक परिसर के बाहर डटे हुए हैं। इस मामले में सबसे अधिक प्रभावित बड़कता गांव के किसानों ने अपने खातों से बड़ी रकम गायब होने की शिकायत की है। प्रकरण की जांच के लिए लखनऊ से आई टीम पड़ताल कर रही है। भाकियू के जिला महासचिव अनुज बालियान ने स्पष्ट कहा कि जब तक किसानों की रकम उनके खातों में वापस नहीं आ जाती, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन जांच की प्रगति पर लगातार नजर रखेगा और प्रतिदिन इसकी जानकारी लेगा। आंदोलन की शुरूआत सोमवार को हुई थी। उस दौरान किसानों ने बैंक में तालाबंदी कर अधिकारियों को अपने बीच बैठाया था। इसके बाद मंडलीय कार्यालय के अधिकारी नवदीप सिंह ने जांच में तेजी लाने का आश्वासन दिया था। बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक नितिन वर्मा ने बताया कि मामले की जांच जारी है और प्रतिदिन किसानों के खातों की पड़ताल की जा रही है। एक दिन में लगभग 30 से 35 खातों की जांच की जा रही है। उन्होंने 31 अक्टूबर तक जांच पूरी होने की उम्मीद जताई। साथ ही कहा कि प्रभावित किसानों को जल्द राहत दिलाने के लिए प्रक्रिया तेज की जा रही है। धरने में भाकियू तहसील अध्यक्ष संजीव पंवार, नगर अध्यक्ष इसरार इदरीशी, लविश, साहिल और सोनू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



शबरी की भक्ति और राम-सुग्रीव मित्रता के मंचन ने दर्शकों को किया भावविभोर



रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्री गंगाराम रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित रामलीला महोत्सव में बीती रात शबरी-श्रीराम संवाद और श्रीराम-सुग्रीव मित्रता के प्रसंगों का मनोहारी मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. किरण पाल सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर डॉ. किरण पाल सिंह ने कहा कि प्रभु श्रीराम के जीवन प्रसंगों पर आधारित रामलीला देखने की सार्थकता तभी है, जब हम उनके आदर्शों और उज्ज्वल चरित्र के गुणों को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करना चाहिए। प्रभु श्रीराम का जीवन हमें मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय मूल्यों की सीख देता है। उन्होंने कहा कि पवित्र रामायण के महत्वपूर्ण पात्र भरत के जीवन से भी समाज को असीम भ्रातृप्रेम और त्याग की प्रेरणा मिलती है। वर्तमान समय में इन आदर्शों को अपनाकर पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और समाज में सद्भाव स्थापित करने की आवश्यकता है। रामलीला जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय परंपराओं तथा आदर्शों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रामलीला महोत्सव का संचालन सन्नी सैनी ने किया। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के प्रधान राम निवास सैनी, संजय गुप्ता, अनिल जैन, वरिष्ठ निर्देशक प्रीतम सिंह, सुशील शर्मा, राजन गुप्ता, अशोक जैन, रवि पाल, विक्रम पंवार, पंकज सैनी और अजय सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सांझी माई की परंपरा आज भी जीवंत, बदलते स्वरूप में कायम है लोक आस्था

मुरादनगर (शिखर समाचार) उत्तर भारत की प्राचीन और सुंदर लोक-धार्मिक परंपरा से जुड़ी सांझी माई की आराधना का पर्व आज भी आधुनिकता के दौर में अपनी पूरी आस्था के साथ कायम है। यह लोकपर्व बेटियों की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, पारिवारिक संबंधों, लोककला और देवी-उपासना का अनूठा संगम है, जिसमें नवरात्रि के दौरान शाम के समय घरों में माता की पूजा-अर्चना और आरती की जाती है। समय के साथ इस परंपरा के स्वरूप में बदलाव भी आया है। पहले जहां महिलाएं और बालिकाएं अपने हाथों से मिट्टी और गोबर से सांझी माई की कलात्मक आकृतियां बनाती थीं, वहीं अब बाजारों में प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी तैयार सांझियां भी उपलब्ध होने लगी हैं। इसके बावजूद लोकमान्यता में देवी दुर्गा, पार्वती या आदिशक्ति के लोकस्वरूप के रूप में पूजी जाने वाली सांझी माई के प्रति लोगों की श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई है। इस परंपरा की सबसे मनमोहक झलक शाम के वक्त दिखाई देती है, जब छोटे-छोटे बच्चे घरों और दुकानों पर सांझी माई की आरती करने पहुंचते हैं। बच्चों को सांझी माई के लोकगीत और आरती के बोल पूरी तरह कंठस्थ होते हैं, जिन्हें वे पूरे भाव और मधुर आवाज के साथ गाते हैं। उनकी यह सामूहिक प्रस्तुति पूरे वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि पूजा-पद्धति और कलाकृतियों के निर्माण के तरीकों में भले ही बदलाव आया हो, लेकिन बच्चों की सक्रिय भागीदारी और श्रद्धा के माध्यम से यह समृद्ध लोकसंस्कृति आज भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सुरक्षित रूप से पहुंच रही है। सांझी माई की यह उपासना केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का एक सशक्त माध्यम है।



मधुबन-बापूधाम में जीडीए वीसी नंद किशोर कलाल का एक्शन मोड: नए दफ्तर के निर्माण में लापरवाही देख भड़के, दागी ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई के आदेश

एक तरफ ढिलाई पर गिरी गाज, दूसरी तरफ बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो सेंटर की तेज रफ्तार देख थपथपाई पीठ

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के ड्रीम प्रोजेक्ट्स को धरातल पर समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ उतारने के लिए जीडीए उपाध्यक्ष आईएएस नंद किशोर कलाल पूरी तरह एक्शन मोड में उतर आए हैं। विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए वीसी मधुबन-बापूधाम योजना पहुंचे, जहां उन्होंने निमार्णाधीन नवीन प्रशासनिक कार्यालय भवन और बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर की साइट्स का गहन स्थलीय निरीक्षण किया। मौके पर फाइलों से इतर जमीनी हकीकत देखकर उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के पसीने छुड़ा दिए। एक तरफ जहां प्रशासनिक भवन के निर्माण में भारी सुस्ती और मानकों की अनदेखी पर वीसी का गुस्सा फूटा, वहीं दूसरी ओर बुनकर मार्ट प्रोजेक्ट की तेज रफ्तार पर उन्होंने पूरी टीम की पीठ थपथपाई।



दफ्तर निर्माण में मनमानी देख बिफरे वीसी, ठेकेदार पर कानूनी शिकंजे की तैयारी

जीडीए के नए प्रशासनिक कार्यालय भवन के निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की अपेक्षित गति नदारद मिली। कार्य निष्पादन में बरती जा रही गंभीर शिथिलता और लापरवाही को देखकर जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने बेहद तल्ख रुख अख्तियार किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अभियंताओं और अधिकारियों को दो-टूक निर्देशित किया कि सरकारी परियोजनाओं में देरी और लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। वीसी ने सख्त लहजे में आदेश दिए कि कार्य में हीलाहवाली के लिए सीधे तौर पर उत्तरदायी ठेकेदार के विरुद्ध अनुबंध (एग्रीमेंट) की शर्तों के तहत तत्काल प्रभाव से नियमानुसार कड़ी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पेंडिंग कामों की विस्तृत समीक्षा, 'क्वालिटी से समझौता नहीं' का सख्त संदेश

वीसी ने मौके पर ही परियोजना से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यालय भवन के सभी पेंडिंग कार्यों की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधूरे पड़े कामों को प्राथमिकता के आधार पर युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए। नंद किशोर कलाल ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि विकास कार्यों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और निर्माण की गुणवत्ता में अगर एक फीसदी की भी खामी पाई गई, तो संबंधित अफसरों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।



बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो सेंटर के काम ने जीता दिल, टीम की हुई खुली तारीफ

कार्यालय भवन के बाद जीडीए उपाध्यक्ष ने मधुबन-बापूधाम में ही आकार ले रहे महत्वाकांक्षी बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। यहां ग्राउंड पर काम की रफ्तार तेज मिली और निर्माण कार्य तय मानकों के अनुसार आगे बढ़ता दिखा। प्रोजेक्ट की शानदार प्रगति और साइट पर मुस्तैदी देखकर वीसी ने संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं और पूरी निर्माण टीम के प्रयासों की जमकर सराहना की।

लगातार होगी ग्राउंड मॉनिटरिंग, डेडलाइन से पहले काम पूरा करने का अल्टीमेटम

बुनकर मार्ट परियोजना के निरीक्षण के अंत में वीसी नंद किशोर कलाल ने निर्देश दिए कि काम की यह सकारात्मक गति लगातार बरकरार रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि परियोजना क्षेत्र के बुनकरों, हस्तशिल्पियों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए यह केंद्र गेम-चेंजर साबित होगा, इसलिए इसे निर्धारित समयसीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। काम में पारदर्शिता और गति बनाए रखने के लिए उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लगातार साइट पर जाकर इसकी निगरानी करें, ताकि प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के तय समय पर शहरवासियों को समर्पित किया जा सके।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, डीएम ने अधिकारियों को चेताया

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण तहसील समाधान दिवस आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 30 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से छह का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 24 शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए भेजा गया। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित समयसीमा में निष्पक्षता और गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही बरतने या अनावश्यक देरी करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में पुलिस विभाग से संबंधित कई शिकायतें भी सामने आईं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि थाने में आने वाले प्रत्येक पीड़ित की शिकायत प्राथमिकता से सुनी जाए। शिकायत के तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, चाहे आरोपी कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि पीड़ितों को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने में लापरवाही करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मिशन शक्ति के अंतर्गत रंगोली बनाने वाली छात्राओं और शिक्षिकाओं को जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी अभय प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार, क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार सोलंकी, तहसीलदार हेमराज सिंह बेनीवाल, थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी इंद्रजीत सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी अभिषेक कुमार और खंड विकास अधिकारी ज्योति रानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और थाना प्रभारी मौजूद रहे।



यात्रियों की सुविधा के लिए रेलगाड़ियों का समय बदलने की मांग, व्यापार मंडल ने सौंपा ज्ञापन

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मेरठ से सहारनपुर के बीच शुरू की जा रही नई रेलगाड़ी की समय-सारिणी में बदलाव की मांग को लेकर भारतीय व्यापार मंडल की नगर शाखा ने नगर अध्यक्ष नीरज शर्मा के नेतृत्व में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम ज्ञापन खतौली रेलवे स्टेशन अधीक्षक मेघा रानी को सौंपा। व्यापारियों ने रेल प्रशासन से यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलगाड़ियों का संचालन समय निर्धारित करने की मांग की। ज्ञापन में रेलगाड़ी संख्या 64580, जो सहारनपुर से मेरठ के लिए सुबह 5:50 बजे निर्धारित है, उसे शाम के समय चलाने की मांग की गई। वहीं, रेलगाड़ी संख्या 64579, जो मेरठ से सहारनपुर के लिए शाम 5:45 बजे निर्धारित है, उसका संचालन सुबह के समय करने का अनुरोध किया गया। व्यापार मंडल का कहना है कि समय-सारिणी में बदलाव से नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी।



व्यापार मंडल के अनुसार, सुबह सहारनपुर से मेरठ की दिशा में पहले ही कम अंतराल पर तीन यात्री रेलगाड़ियां संचालित हो रही हैं। इसके बाद अलग-अलग समय पर दो एक्सप्रेस रेलगाड़ियां भी उपलब्ध हैं। इसके विपरीत मेरठ से सहारनपुर की ओर सुबह चलने वाली यात्री रेलगाड़ी कोरोना काल से बंद है। ऐसे में नई रेलगाड़ी का समय यात्रियों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप निर्धारित किया जाना आवश्यक है। दैनिक यात्री संघ भी बंद रेलगाड़ियों का संचालन शुरू कराने की मांग पहले से कर रहा है। संघ अध्यक्ष मास्टर रमेश चंद ने भी प्रस्तावित समय परिवर्तन को यात्री हित में बताया है। ज्ञापन सौंपने के दौरान सतीश उपाध्याय, वीरेंद्र शर्मा (बीएसएनएल), विपिन बागड़ी, सत्येंद्र भाटिया (लीलू), राजेश प्रधान, अभिषेक दीक्षित, दिलशाद मलिक, प्रभव कौशिक, अभिमन्यु कौशिक, अरविंद शर्मा, आनंद प्रकाश त्यागी, सुरेश कुमार और अचल गर्ग (बबलू) सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

कौशांबी में 100 से अधिक वेंडिंग कियोस्क होंगे आवंटित, पुराने पथ विक्रेताओं को मिलेगी प्राथमिकता

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर को जाममुक्त बनाने और पथ विक्रेताओं को व्यवस्थित रूप से रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम ने कदम तेज कर दिए हैं। नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में हुई टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में पथ विक्रेताओं के सत्यापन, वेंडिंग जोन विकसित करने और ऑनलाइन पंजीकरण सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कौशांबी में बनाए जा रहे कियोस्क के आवंटन में पुराने पथ विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी।



नगर आयुक्त ने बताया कि कौशांबी में 100 से अधिक कियोस्क तैयार किए जा रहे हैं और इनके आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। पात्र पथ विक्रेताओं की पहचान के लिए विशेष सत्यापन समिति गठित की गई है। समिति को दो दिन में सत्यापन पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। सत्यापन के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वसुंधरा जोन की तर्ज पर नगर निगम के अन्य जोन में भी पथ विक्रेताओं को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के लिए योजना तैयार करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

सत्यापन समिति में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अनिरुद्ध कुमार, पार्षद प्रवीण चौधरी, परियोजना अधिकारी रजनी सिंह, क्षेत्रीय यातायात निरीक्षक, वेंडर प्रतिनिधि तेजपाल सिंह और प्रदीप शर्मा को शामिल किया गया है। बैठक में पथ विक्रेताओं की समस्याओं, यातायात व्यवस्था और शहर में विकसित किए जा रहे वेंडिंग जोन पर विस्तार से चर्चा हुई।

नगर आयुक्त ने सभी जोनल प्रभारियों को निर्देश दिए कि शहर के सभी पथ विक्रेताओं का पंजीकरण नगर निगम के 311 पोर्टल पर अनिवार्य रूप से कराया जाए। ऑनलाइन पंजीकरण से सभी विक्रेताओं का व्यवस्थित विवरण तैयार होगा, जिससे उनके पुनर्वास, स्थान आवंटन और भविष्य की योजनाओं को लागू करने में सुविधा मिलेगी। इससे यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने और नागरिकों को जाम से राहत दिलाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

बैठक में पार्षद प्रवीण चौधरी, ओम प्रकाश ओड़ और राजीव शर्मा सहित यातायात पुलिस विभाग के प्रतिनिधि, जोनल प्रभारी तथा टाउन वेंडिंग कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने अपने सुझाव दिए, जिनके आधार पर संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए।

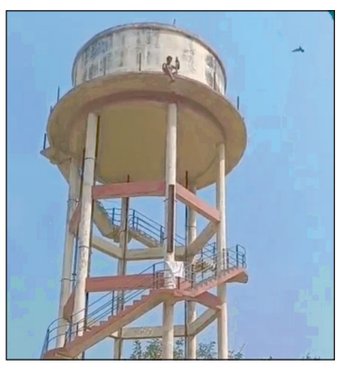
गाजियाबाद तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस, 16 का त्वरित निस्तारण



गाजियाबाद (शिखर समाचार) जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में जनपद की तीनों तहसीलों में माह के तृतीय शनिवार को 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न जनसमस्याओं से जुड़ी कुल 155 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 16 शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया। तहसील सदर का सम्पूर्ण समाधान दिवस रोटरी क्लब में एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जहां 37 शिकायतें आईं और 6 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस मौके पर एसडीएम सदर अजीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। लोनी तहसील में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम लोनी दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 34 शिकायतें आईं, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। वहीं, मोदीनगर तहसील में एडीएम (प्रशासन/एलए) अवनीश सिंह और एसडीएम मोदीनगर कोमल पंवार की मौजूदगी में प्राप्त 84 शिकायतों में से 6 का मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने शेष लंबित प्रार्थना पत्रों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए।

धौलाना तहसील में जमीन के विवाद से परेशान किसान पानी की टंकी पर चढ़ा, 36 मिनट चला ड्रामा

हापुड़ (शिखर समाचार) धौलाना तहसील परिसर में शनिवार दोपहर सौ गज जमीन पर कब्जे से परेशान एक किसान पानी की टंकी पर चढ़ गया और आत्महत्या की धमकी देने लगा। करीब 36 मिनट तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन पर किसान नीचे उतरा। धौलाना के समाना गांव निवासी किसान लखपत सिंह ने बताया कि वह अपनी 100 गज जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए वर्ष 2024 से तहसील के चक्कर काट रहा है। जमीन की पैमाइश न होने से क्षुब्ध होकर वह दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तहसील परिसर की पानी की टंकी पर जा चढ़ा। टंकी पर चढ़कर लखपत ने तहसील के कामकाज पर सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। इस घटना की सूचना मिलते ही तहसील परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पिलखुवा सीओ मुनीष चंद्र और धौलाना थाना प्रभारी अवनीश शर्मा तुरंत मौके पर पहुंचे। सीओ ने लाउडस्पीकर के माध्यम से किसान से नीचे उतरने की अपील की। इस दौरान किसान नेता शिवकुमार राणा और अधिवक्ता अभिषेक तोमर ने भी उसे समझाने का प्रयास किया। कुछ देर बाद एडीएम संदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और समस्या के त्वरित समाधान का ठोस भरोसा दिया, जिसके बाद किसान नीचे उतरा। हादसे के वक्त टंकी के नीचे किसान की पत्नी बबीता, बेटी कीर्ति, एक साल का बेटा रुद्र और आठ साल का दक्ष मौजूद थे। किसान ने चेतावनी दी है कि यदि उसकी समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वह बच्चों के साथ आत्मदाह जैसा कदम उठाने के लिए विवश होगा। थाना प्रभारी अवनीश शर्मा ने बताया कि किसान को समझा-बुझाकर सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और उचित कार्रवाई की जाएगी।





संक्षिप्त समाचार

स्कूलों से संपर्क कर संस्कृत में बढ़ाएंगे प्रवेश, कर्मकांड का कोर्स भी शुरू होगा

गोरखपुर, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का संस्कृत विभाग प्रवेश संख्या बढ़ाने के लिए स्कूलों से समन्वय करेगा। विद्यार्थियों को संस्कृत की शिक्षा और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों से जोड़ने के लिए कर्मकांड में छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की तैयारी है। विभाग विदेशी विश्वविद्यालयों से शैक्षणिक सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) करेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल का सहयोग लिया जाएगा। संस्कृत विभाग के समन्वयक डॉ. देवेंद्र पाल ने बताया कि वर्तमान में संस्कृत विषय से स्नातक में 122, पाली में 27 और परास्नातक में 76 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विभाग में ज्योतिष विषय का पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। कहा कि प्रवेश संख्या बढ़ाने के लिए स्कूलों से संपर्क कर विद्यार्थियों को संस्कृत की पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित किया जाएगा। कर्मकांड का छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होने से विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में व्यवस्थित प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। वहीं, विदेशी विश्वविद्यालयों से एमओयू के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों और अकादमिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की योजना है। डॉ. पाल ने बताया कि कुलपति प्रो. केपी सिंह की ओर से दिए गए सुझावों पर अमल कर योजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता और नैतिकता पर हुआ मंथन

गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित दस दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। सात से 16 अक्तूबर तक चले पाठ्यक्रम में शोधार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक शोध पद्धतियों, डिजिटल उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की जानकारी दी गई। समापन समारोह में काशी नरेश हिंदू विश्वविद्यालय, भदोही की कुलपति प्रो. उमा श्रीवास्तव ऑनलाइन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. रजवंत राव और प्रो. गोपाल नायक विशिष्ट अतिथि रहे। विशेषज्ञों ने शोध में मौलिकता, वस्तुनिष्ठता और अकादमिक ईमानदारी को जरूरी बताया। पाठ्यक्रम में गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुसंधान, सांख्यिकीय विश्लेषण, शोध नैतिकता, डिजिटल उपकरणों और भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यान हुए।

प्रतिभागियों ने इसे शोध कौशल विकसित करने में उपयोगी बताया। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने आयोजन की उपलब्धियां बताईं। संचालन डॉ. मीतू सिंह ने किया। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

महंगाई का नारा लगा रहे पिस्ता, बादाम और छुआरा

बरेली , एजेंसी। त्योहारी सीजन में पिस्ता, बादाम, खजूर, मखाना और छुआरा सहित अन्य मेवे महंगे हो गए हैं। इससे आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ने लगा है। शहर के कुतुबखाना, सब्जी मंडी और मावा मंडी स्थित मेवों की दुकानों पर कीमतों में तेजी का असर दिखने लगा है। बजट न बिगड़े, इसके लिए लोगों ने मेवों की मात्रा से समझौता करना शुरू कर दिया है। जिसे दो सौ ग्राम किशमिश की जरूरत है, वह 150 या 100 में ही काम चला रहा है।

कारोबारी शिवम आनंद ने बताया कि बादाम में 300, छुआरे में 100, पिस्ता में लगभग 400 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है। काजू के भाव भी बढ़कर 900 से 1300 रुपये प्रति किलो के बीच स्थिर हैं। बादाम 1100 रुपये किलो बिक रहा है। पिस्ता की कीमत 1500 रुपये से बढ़कर 1900 रुपये किलो हो गई है। मखाना 900 से 1500 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है।

बड़े पैमाने पर भंडारण, पटाखा बनाने का लाइसेंस महज एक का, कारोबार 50 से ज्यादा जगहों पर

वाराणसी, एजेंसी। सारनाथ के पैगंबरपुर में पटाखा बनाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट ने घनी आबादी वाले इलाकों में चल रहे अवैध पटाखा भंडारण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके बावजूद ऐसे इलाकों में पुलिस का अभियान नहीं चला है। जगह-जगह चोरी-छिपे बड़े पैमाने पर पटाखों का भंडारण किया जा रहा है। खासकर पितरकुंडा, दालमंडी, बेनियाबाग, मदनपुरा, पांडेयपुर और लहरतारा जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री की जाती है।

जिले में पटाखे बनाने का महज एक, बेचने के पांच और भंडारण के चार लाइसेंस हैं। इसके बावजूद अवैध तरीके से और त्योहारों के मद्देनजर मोटी कमाई के लालच में पुलिस की नजरों से बचकर चोरी-छिपे बिक्री जारी है।चोरी-छिपे पटाखे बनाने का काम अब ज्यादातर शहर से बाहरी इलाकों में शिफ्ट हो गया है।

खासकर सिंधौरा, बड़ागांव, पिंडरा और एनएच व रिंग रोड से सटे इलाकों में यह कारोबार चल रहा है। पूर्व में पुलिस की छापेमारी में इन इलाकों में बड़े पैमाने पर पटाखों का भंडारण पकड़ा जा चुका है। पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार आरोपी राजू खान दालमंडी से बारूद लाकर पैगंबरपुर स्थित अपने मकान में बड़े पैमाने पर पटाखे तैयार करता था।

उसने लोगों के बीच खुद को कपड़ा कारोबारी बताया था और दालमंडी में कारोबार करने की बात कही थी, लेकिन वह पटाखे बनाता था। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। पैगंबरपुर की घटना के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि राजू खान बारूद और पटाखा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की खरीद-बिक्री कहां से करता था। कच्चा माल कहां से खरीदा गया, उसे किस माध्यम से मकान तक पहुंचाया गया।



तलाश अभियान तेज

उधर, एसीपी कोतवाली विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने गोला दीनानाथ के एक गोदाम में छापा मारा। भारी मात्रा में विस्फोटक तैयार करने वाले रॉ मैटेरियल्स देख पुलिस कर्मी दंग रह गए। एसीपी कोतवाली विजय प्रताप सिंह ने बताया कि विस्फोटक के रॉ मैटेरियल्स को जब्त करते हुए गोदाम में ताला बंद किया गया। सिगरा निवासी गोदाम मालिक राजेश गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। सारनाथ में अवैध पटाखा बनाते समय मकान ढहने की घटना के बाद कमिश्नरेट पुलिस ने काशी, गोमती और वरुणा जोन में चेकिंग अभियान चलाया।

पीड़ित पड़ोसियों से की मुलाकात, सहायता दिलाने का आश्वासन

सारनाथ थाना क्षेत्र के पैगंबरपुर में अवैध पटाखा बनाने के दौरान विस्फोट से आसपास के मकान ढहने से लोग परेशान हुए। श्री विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष सोमनाथ विश्वकर्मा ने पीड़ित पड़ोसियों से मुलाकात की। शासन और जिला प्रशासन से हर संभव मदद का आश्वासन दिलाया। बृहस्पतिवार को राजू खान के मकान में विस्फोट हो गया। मकान से छहने से राजू क पत्नी और बच्चे झुलस गए। वहीं, आरोपी राजू खा को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था।

गोला दीनानाथ में मिला अवैध विस्फोटक गोदाम, मालिक गिरफ्तार

कमिश्नरेट पुलिस ने अवैध पटाखा के गोदाम पर शुक्रवार की रात छापा मारा। कैंट थाना क्षेत्र के कुंज विहार कालोनी के एक मकान से भारी मात्रा में पटाखा बरामद हुआ। वहीं, कोतवाली थाना क्षेत्र के गोला दीनानाथ स्थित गोदाम से भारी मात्रा में विस्फोटक तैयार करने के रॉ मैटेरियल बरामद किया गया। गोदाम मालिक राजेश गुप्ता को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। एसीपी कैंट प्रज्ञा पाठक के नेतृत्व में कैंट पुलिस और एसओजी-2 की टीम ने सेंट्रल जेल रोड स्थित कुंज विहार कालोनी में रात साढ़े 9 बजे छापा मारा। राहुल गुप्ता के मकान में बिक्री को रखे गए पटाखा मिले। कैंट पुलिस ने पटाखा को जब्त की जांच शुरु की। राहुल गुप्ता ने पुलिस को बताया कि इस पटाखों में विस्फोटक जैसा कुछ भी नहीं है। बच्चों की आतिशबाजी वाले पटाखे रखे गए हैं। बिल और अन्य भंडारण लाइसेंस आदि की जांच पुलिस की ओर से जारी है।

स्नातक मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप, सपा ने भाजपा पर लोकतंत्र कमजोर करने का लगाया आरोप

सहारनपुर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के मेरठ-सहारनपुर खंड स्नातक विधान परिषद सदस्य पद के प्रत्याशी प्रमेन्द्र सिंह भाटी एडवोकेट ने भाजपा पर संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी एवं विधान परिषद सदस्य दिनेश कुमार गोयल पर कथित रूप से गलत तरीके से सामूहिक आवेदन जमा कराकर स्नातक मतदाता बनवाने का आरोप लगाते हुए इसे निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 31 के विरुद्ध बताया। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग में शिकायत किए जाने के बावजूद मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रमेन्द्र सिंह भाटी ने सपा जिला कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि मेरठ-सहारनपुर खंड स्नातक विधान परिषद चुनाव के लिए 29 सितंबर को नामांकन दाखिल किए गए थे, जबकि मतदाता सूची 14 अक्टूबर को उपलब्ध कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के विधान परिषद सदस्य दिनेश कुमार गोयल ने सत्ता का दुरुपयोग कर विश्वविद्यालय से आंकड़े प्राप्त किए और गलत तरीके से स्नातक मतदाता बनवाने का प्रयास किया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। सपा जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि सहारनपुर जिले की मतदाता सूची में अनियमितताएं हैं। उनके अनुसार, एक विकासखंड के मतदाताओं के नाम दूसरे विकासखंड में दर्ज होने से मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में परेशानी हो सकती है। विधायक उमर अली खान ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता जागरूक है और विधान परिषद चुनाव में भाजपा को इसका जवाब देगी। पत्रकार वार्ता में सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी, मजाहीर राणा, विनोद तेजयान, महानगर अध्यक्ष हाजी नवाब अंसारी, वासिल तोमर, सलीम अख्तर, ममता चौधरी, अभिषेक अरोड़ा टिंकू, इंजीनियर विजेश कुमार शर्मा, हसीन कुरैशी, मजहबी खान, संदीप चौधरी, जमाल साबरी, स्वराज सिंह, मुस्तकिम राणा और रतन सिंह यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



प्रदेश में डॉक्टरों को बड़ी राहत, इलाज में लापरवाही पर तुरंत गिरफ्तारी नहीं; पहले मेडिकल बोर्ड करेगा जांच

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में चिकित्सकीय लापरवाही के मामले में अब पुलिस सीधे आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। इसके लिए पहले जिला और प्रदेश स्तरीय मेडिकल बोर्ड जांच करेगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। इस संबंध में शासन की ओर से चिकित्सकीय लापरवाही की शिकायतों के निस्तारण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है। इसे सभी डीएम व सीएमओ को भेजा गया है।

शासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि चिकित्सकीय लापरवाही से जुड़े प्रकरण के लिए जिला स्तरीय बोर्ड का गठन किया जाए। इसकी प्रदेश स्तरीय सुनवाई के लिए राज्य मेडिकल बोर्ड बनेगा। शिकायत को डीएम द्वारा सीएमओ को भेजा जाएगा और बोर्ड तीन दिन में रिपोर्ट देगी। राज्यस्तरीय बोर्ड के अध्यक्ष चिकित्सा एवं स्वास्थ्य महानिदेशक होंगे। डीजीएमई द्वारा नामित फॉरेंसिक मेडिसिन प्रोफेसर, केजीएमयू, एसजीपीजीआई और लोहिया संस्थान और अन्य मेडिकल कॉलेजों से दो प्रोफेसर, एक एनएमसी प्रतिनिधि, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग से नामित विधि अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे। स्वास्थ्य महानिदेशक से संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी सदस्य सचिव होंगे।

बदलेगी जांच की प्रक्रिया

हाईकोर्ट ने दिया था एसओपी जारी करने का निर्देश : पांच मई 2026 को जारी एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक देश में वर्ष 2022 में चिकित्सकीय लापरवाही के 118 केस दर्ज हुए थे। 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 869 तक पहुंच गया है। इसमें उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर है। यहां 458 मामले (52.70त्न) दर्ज किए गए।

खो-खो में यूपी किराना स्कूल ओवरऑल चैंपियन

कानपुर। पीरोड स्थित हरसहाय कॉलेज में आयोजित जिला स्तरीय अंतरविद्यालयीय आमंत्रण खो-खो प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता में यूपी किराना स्कूल ने अंडर-14 और अंडर-17 बालक वर्ग के खिताब जीतकर ओवरऑल चैंपियन बना। एसआर एजुकेशन सेंटर दूसरे और कैंब्रिज पब्लिक स्कूल तीसरे स्थान पर रहा। अंडर-14 बालक वर्ग के फाइनल में यूपी किराना स्कूल ने एसआर एजुकेशन सेंटर को छह अंकों से हराया। यूपी किराना स्कूल के खिलाड़ी अविरल यादव ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए तीन मिनट डिफेंस में बिताए और आक्रमण में सात अंक हासिल किए। अंडर-14 बालिका वर्ग के फाइनल में कैंब्रिज पब्लिक स्कूल ने सरदार पटेल पब्लिक स्कूल को 10 अंक और एक पारी से पराजित किया। जीत में कशिश ने डिफेंस में 3.30 मिनट बिताने के साथ तीन अंक हासिल किए। उन्नति यादव ने 1.30 मिनट डिफेंस में रहने के साथ दो अंक जुटाए। अंडर-17 बालक वर्ग में भी यूपी किराना स्कूल ने एसआर एजुकेशन सेंटर को सात अंक और एक पारी से हराकर खिताब जीता। जीत में आर्यन यादव ने डिफेंस में चार मिनट नाबाद रहने के साथ आक्रमण में पांच अंक जुटाए।

सिम्स में एमबीबीएस बैच 2026 का ओरिएंटेशन, छात्रों को दिए गए सफलता के टिप्स

हापुड़ (शिखर समाचार) सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सिम्स) में नवप्रवेशित एमबीबीएस बैच 2026 के लिए ओरिएंटेशन एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कॉलेज ऑडिटोरियम में हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

समारोह के दौरान छात्रों को पाठ्यक्रम, संस्थागत नियमों, हॉस्टल व्यवस्था और चिकित्सा पेशे की अहम जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता ने विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा में अनुशासन और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि एक सफल चिकित्सक के लिए ज्ञान के साथ नैतिक आचरण बेहद जरूरी है।

वाइस चेयरपर्सन डॉ. रम्या रामचंद्रन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मेडिकल शिक्षा केवल अंक हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऐसा कौशल है जो मानव जीवन को बेहतर बना सके। उन्होंने छात्रों को ईमानदारी, विनम्रता और करुणा जैसे मूल्यों को आत्मसात करने की सलाह दी।



कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. कृति वार्ष्णेय ने प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम, कम्युनिटी मेडिसिन के डॉ. ए. रेवंत कुमार ने प्रशासनिक नियमों और चीफ हॉस्टल वार्डन डॉ. मनीष कुमार मधरे ने हॉस्टल के नियमों की जानकारी दी।

इसके अलावा, सीनियर एडवाइजर ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल और मेडिकल सुपरिंटेंडेंट ब्रिगेडियर डॉ. विनीत रस्तोगी ने अनुशासन और नैतिक मूल्यों पर विशेष जोर दिया। चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन ने भी संदेश भेजकर छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डायरेक्टर रघुवर दत्त, जीएम एन. वर्धराजन सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष और संकाय सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

हनुमान जन्म से सीता खोज तक की लीलाओं ने दर्शकों को किया भावविभोर

शामली (शिखर समाचार)। मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम में आयोजित 57वें रामलीला महोत्सव में देर रात हनुमान जन्म, शबरी प्रसंग, राम-सुग्रीव मित्रता और माता सीता की खोज की लीलाओं का मनोहारी मंचन किया गया। कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय और भक्तिमय प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल ने बाबा बजरंगबली को तिलक लगाकर महाआरती की। उन्होंने कहा कि हनुमान संकटमोचन हैं और सच्चे मन से उनका स्मरण करने वाले भक्तों को कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है।



हनुमान का जीवन भक्ति, त्याग, सेवा और समर्पण का संदेश देता है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा लेनी चाहिए।

रामलीला के दौरान कलाकारों ने माता शबरी और प्रभु राम के मिलन का भावपूर्ण मंचन किया। शबरी द्वारा प्रेमपूर्वक बेर अर्पित करने के प्रसंग ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसके बाद किष्किंधा पर्वत पर हनुमान द्वारा राम और सुग्रीव की मित्रता कराने तथा वानर सेना के माध्यम से माता सीता की खोज की लीला प्रस्तुत की गई। कलाकारों ने अपने अभिनय से पात्रों को जीवंत कर दिया और दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। राम की भूमिका आकाश धीमान, लक्ष्मण की उज्ज्वल नामदेव, सीता की वंश राजपूत, हनुमान की रवि पाठक, शबरी की आशीष निर्वाल और रावण की भूमिका विपिन शांडिल्य ने निभाई। सभी कलाकारों के अभिनय की दर्शकों ने सराहना की।

इस अवसर पर रामलीला समिति के अध्यक्ष सलिल द्विवेदी, महासचिव राजकुमार मित्तल, पुनीत द्विवेदी, शरद द्विवेदी, मुकुल द्विवेदी, पंडित दिनेश पाठक, उत्तम नामदेव, आदेश शर्मा, दीपक सैनी, वंश नामदेव, लाल सिंह लचक, रमेश धीमान, सुनील कुमार टमी, संजीव वर्मा, रोहित संगल, अमित प्रजापति, प्रदीप कुमार, निशांत और भागवत पाठक सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

बुग्गावाला में जनकल्याण शिविर से 615 लाभार्थियों को मिला योजनाओं का लाभ, 39 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड शासन के निर्देश और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत भगवानपुर विकासखंड के अटल उत्कर्ष कन्या इंटर कॉलेज, बुग्गावाला में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में 675 नागरिकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान 615 लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया, जबकि प्राप्त 56 शिकायतों में से 39 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतें संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेजी गईं। शिविर को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से गांव-गांव में बहुउद्देशीय शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर मिल सकें और उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और जरूरतमंदों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त शिकायतों और आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उपजिलाधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी ने आश्वस्त किया कि अधिकारियों को निदेर्शों के अनुरूप शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लाभार्थियों के आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील त्यागी, खंड विकास अधिकारी राजेंद्र जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।



धौलाना तहसील में स्वर्ण समाज का धरना 20वें दिन भी जारी, सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार) यूजीसी के नए नियमों, एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग और आरक्षण व्यवस्था के विरोध में स्वर्ण समाज का आंदोलन धौलाना तहसील परिसर में लगातार 20वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान आंदोलनकारियों ने अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। आंदोलनकारियों ने ज्ञापन में मांग की है कि यूजीसी के नए नियमों पर पुनर्विचार किया जाए, एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, आरक्षण नीति की समीक्षा हो और सामान्य वर्ग के हितों के संरक्षण के लिए आयोग का गठन किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे हैं और अब उन्हें शासन स्तर पर सकारात्मक पहल की उम्मीद है। इस अवसर पर एडीएम संदीप सिंह, एएसपी महेश कुमार, सीओ अनीता चौहान समेत ललित राणा, धीरज तोमर, विनोद सिसोदिया, संजय तोमर और गजेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।



मुरादनगर में रामलीला के दौरान हुआ विभीषण शरणागति और रामेश्वरम स्थापना का मंचन

मुरादनगर (शिखर समाचार) श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में टंकी रोड पर आयोजित रामलीला महोत्सव में विभीषण शरणागति तथा रामेश्वरम स्थापना की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। लीला में दिखाया गया कि विभीषण द्वारा रावण को श्रीराम से संधि करने की सलाह देने पर रावण क्रोधित होकर उन्हें दरबार से बाहर निकाल देता है। इसके बाद विभीषण आकाश मार्ग से भगवान श्रीराम की शरण में पहुंचते हैं। श्रीराम उन्हें अभयदान देकर अपने दल में शामिल करते हैं और लंका का भावी राजा घोषित करते हैं। इसके बाद समुद्र तट पर लंका प्रस्थान से पूर्व भगवान श्रीराम द्वारा शिव स्थापना और पूजा-अर्चना की लीला का मंचन किया गया। श्रीराम ने विधि-विधान से शिवलिंग की स्थापना कर विजय का आशीर्वाद मांगा, जिससे पूरा पंडाल ह्यजय श्रीरामह्ल और ह्यहर-हर महादेवह्ल के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी और सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



दादरी: एनिमल शेल्टर होम संचालिका से 25 लाख की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र के सेक्टर ओमीक्रोन-2 में एनिमल शेल्टर होम का संचालन करने वाली संचालिका से विश्वास में लेकर करीब 20 से 25 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराने और पैसे वापस मांगने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि ओमीक्रोन-2 निवासी कावेरी सिंह राणा वर्ष 2017 से सूफी मेमोरियल एनिमल रिलीफ ट्रस्ट चला रही हैं। उत्तराखंड के कफोल गांव निवासी यशराज भारद्वाज ने जल्द रकम लौटाने का झांसा देकर ट्रस्ट के खाते से विभिन्न तिथियों में ऑनलाइन माध्यम से 20-25 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए थे। जब संचालिका ने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपी आनाकानी करने लगा। दबाव बनाने पर उसने गाली-गलौज की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीएमई पर लूट करने वाला 10 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार) दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे (डीएमई) पर कार में लिफ्ट देकर यात्रियों को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी के पास से लूटा गया मोबाइल, तमंचा और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बीते 28 जुलाई की रात मुजफ्फरनगर निवासी प्रेमपाल सिंह ग्रेटर नोएडा जाने के लिए परतापुर टोल के पास खड़े थे, जहां कार सवार बदमाशों ने उन्हें कम किराया बताकर बैठा लिया था। डीएमई पर पहुंचने पर बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाकर नकदी व अन्य सामान लूट लिया और फेंककर फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस पहले ही एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एसीपी मोदीनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शुक्रवार देर रात क्राइम ब्रांच और भोजपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि वांछित बदमाश वारदात की फिराक में घूम रहा है। चेकिंग के दौरान जब पुलिस ने एक संदिग्ध बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, तो वह भागने लगा और बाइक फिसलने पर घिर जाने पर पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हुए बदमाश की पहचान राजेंद्र उर्फ राजू (निवासी न्यू कोंडली, न्यू अशोक नगर, दिल्ली) के रूप में हुई है। पकड़े गए शातिर अपराधी पर विभिन्न थानों में आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।



जेवर के मेले में कबड्डी टूर्नामेंट का फाइनल 'विशाल क्लब' जीता



जेवर (शिखर समाचार) स्थानीय श्री दुर्गे मंदिर पर आयोजित 62वें नवरात्रि मेले के अवसर पर तीन दिवसीय भव्य पुरुष कबड्डी टूर्नामेंट का रोमांचक समापन हुआ। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला विशाल क्लब और मेहंदीपुर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें कड़े संघर्ष के बाद विशाल क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। टूर्नामेंट में विभिन्न प्रदेशों से लगभग दो दर्जन टीमों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता के संयोजक एवं जेवर नगर पंचायत अध्यक्ष पहलवान नारायण महेश्वरी ने विजेता टीम विशाल क्लब को 1,11,000 रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान की। वहीं, उपविजेता रही मेहंदीपुर की टीम को 71,000 रुपये और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इस खेल आयोजन के दौरान श्री दुर्गा मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, महासचिव सुभाष चंद्र, समिति निदेशक कुलदीप पंडित सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

गौतमबुद्धनगर: मिशन शक्ति 5.0 के तहत स्पेशल पिंक समाधान दिवस आयोजित, 11 शिकायतें निस्तारित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों–जेवर, सदर और दादरी में 'मिशन शक्ति विशेष अभियान 5.0' के अंतर्गत तहसील समाधान दिवस को 'स्पेशल पिंक समाधान दिवस' के रूप में मनाया गया। इस दौरान महिला फरियादियों की शिकायतों को विशेष प्राथमिकता दी गई।

तहसीलों में प्राप्त शिकायतें और निस्तारण

दिवस के दौरान जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 154 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

तहसील जेवर: जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में कुल 62 शिकायतें आईं, जिनमें से 2 का मौके पर निस्तारण हुआ। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी और एसडीएम जेवर दुर्गेश सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तहसील दादरी: अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संजय कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 86 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 का मौके पर निस्तारण किया गया।



तहसील सदर: अपर जिलाधिकारी (भू/अ) अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में 6 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 3 का मौके पर निस्तारण हुआ।

सभी तहसीलों में महिलाओं की सुविधा के लिए विशेष 'पिंक हेल्प डेस्क' स्थापित की गई, जिसके माध्यम से महिलाओं ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान महिला फरियादियों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा प्रावधानों और सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

आई.टी.एस. मोहन नगर में 'नवकृति-डांडिया एवं बेस्ट सेलर शोडाउन' का भव्य आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आई.टी.एस. मोहन नगर के यू.जी. कैंपस में नवरात्र के पावन अवसर पर 'नवकृति झ डांडिया एवं बेस्ट सेलर शोडाउन' महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक उत्सव में पारंपरिक परिधानों में सजे लगभग 2,000 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लेकर भारतीय संस्कृति और परंपराओं के रंगों से समां बांध दिया। आई.टी.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना भी है। वहीं, यू.जी. कैंपस की प्रिंसिपल डॉ. नैंसी शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने मनमोहक गुजराती लोकनृत्य और डांडिया की प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। कैंपस में हस्तनिर्मित वस्तुओं व खान-पान के आकर्षक स्टॉल और तस्वीरें लेने के लिए सेल्फी कॉर्नर विशेष केंद्र रहे।



आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को सम्मानित किया गया: बीबीए पाठ्यक्रमः प्रथम वर्ष के आर्यवीर चौधरी को 'बेस्ट कॉस्ट्यूम मेल' तथा द्वितीय वर्ष की राशि को 'बेस्ट कॉस्ट्यूम फीमेल' का खिताब मिला।

बीसीए पाठ्यक्रमः द्वितीय वर्ष के आर्यन चौहान को 'बेस्ट कॉस्ट्यूम मेल' और प्रथम वर्ष की अंशिका गौड़ को 'बेस्ट कॉस्ट्यूम फीमेल' चुना गया।

बेस्ट सेलर प्रतियोगिता: बीबीए तृतीय वर्ष की दिशा, हर्षित, किशन, शिखा एवं कनिष्का विजेता बने, जबकि प्रथम वर्ष की शाइना एवं कशिश रनर-अप रहीं।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का एक और मौका, 24 अक्टूबर को सभी बूथों पर लगेगा विशेष शिविर

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शनिवार को कैराना में मतदाता पंजीकरण के लिए पहला विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कर्मचारियों ने मतदाता सूची से संबंधित अभिलेखों और आवेदन पत्रों की जांच की तथा नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार दूसरा विशेष शिविर 24 अक्टूबर, शनिवार को प्रत्येक मतदान केंद्र पर आयोजित किया जाएगा। इसमें 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के साथ मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित अन्य पात्र नागरिक भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए निर्धारित प्रपत्र-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। शिविर का उद्देश्य पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ना और यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रहे। बूथ स्तरीय अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की जांच करें। जिन युवाओं ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है या जिन पात्र नागरिकों के नाम अभी तक सूची में शामिल नहीं हैं, वे आगामी विशेष शिविर में पहुंचकर आवेदन करें। निर्वाचन संबंधी इस अभियान के तहत नागरिकों को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया समझाने और आवेदन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों ने पात्र नागरिकों से 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शिविर का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है।



मेरठ परिक्षेत्र में अवैध हथियारों पर पुलिस का शिकंजा, 208 आरोपी गिरफ्तार

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र में अवैध हथियारों की तस्करी और उनके इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए चलाए गए ऑपरेशन शस्त्र के तहत सितंबर माह में पुलिस ने व्यापक कार्रवाई की। एक से 30 सितंबर 2026 तक चले अभियान में 208 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 185 अवैध हथियार और 214 कारतूस बरामद किए गए, जबकि इस संबंध में 180 मुकदमे दर्ज किए गए। पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने परिक्षेत्र के सभी जनपदों में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, जनपद मेरठ में 82 मुकदमे दर्ज कर 106 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यहां से 83 अवैध हथियार और 114 कारतूस बरामद हुए। बुलंदशहर में 62 मुकदमों के तहत 65 आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ 66 हथियार और 63 कारतूस मिले। बागपत में 22 मुकदमे दर्ज कर 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा 22 हथियार और 22 कारतूस बरामद हुए। वहीं, हापुड़ में 14 मुकदमों में 14 आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ 14 हथियार और 15 कारतूस बरामद किए गए। डीआईजी ने अवैध हथियारों की आपूर्ति, उनके इस्तेमाल और गोलीबारी की घटनाओं में सहयोग करने वालों की भूमिका की भी जांच करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अब गोलीकांड की विवेचना में इस बात की पड़ताल करेगी कि गोली किसने चलाई, हथियार किसका था और किसने उपलब्ध कराया। अवैध हथियार होने पर उसके स्रोत, उसे रखने के स्थान तथा घटना में इस्तेमाल वाहन और उसके स्वामी की भूमिका की भी जांच की जाएगी। साक्ष्यों के आधार पर संबंधित लोगों को विवेचना के दायरे में शामिल किया जाएगा।



निर्देशों के अनुसार, लाइसेंसी हथियार किसी अन्य व्यक्ति को दिखावे या इस्तेमाल के लिए देना आयुध अधिनियम की धारा 30 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। ऐसे मामलों में शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी अपनाई जा सकती है। गोलीबारी की घटनाओं में आपराधिक साजिश, आरोपियों को शरण देने या हथियार छिपाने में मदद करने वालों के विरुद्ध भी साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन नहीं करने, अवैध हथियार रखने वालों से दूरी बनाए रखने और अपने मकान या वाहन का इस्तेमाल ऐसे लोगों को नहीं करने देने की अपील की है। डीआईजी ने पूर्व में गोलीकांड और हथियारों के दुरुपयोग में शामिल रहे अपराधियों की गतिविधियों की समीक्षा कर तथ्यों के आधार पर हिस्ट्रीशीट खोलने तथा गुंडा अधिनियम, गैंगस्टर अधिनियम सहित अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं।

हापुड़ तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस, 16 शिकायतों का मौके पर निस्तारण



हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद की तीनों तहसीलों में माह के तृतीय शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 118 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 16 शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया। तहसील हापुड़ में जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में कुल 60 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान खतौनी, वरासत, भूमि विवाद, पेंशन, आवास और विद्युत से जुड़े मामले प्रमुखता से आए। तहसील गढ़मुक्तेश्वर में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 30 शिकायतें आईं, जिनमें से 5 का मौके पर निस्तारण हुआ। वहीं, तहसील धौलाना में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 28 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकन किया जाए और उनका समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित हो। भूमि विवादों के मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग को आपसी समन्वय बनाकर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थाना स्तर पर ही पीड़ितों की सुनवाई प्राथमिकता से हो, ताकि उन्हें बार-बार चक्कर न काटने पड़ें।

अंकित बालियान हत्याकांड में नया मोड़, तिहाड़ जेल से लाए गए दो कथित शूटर अदालत में पेश

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में शामली पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए तिहाड़ जेल में बंद योगेश टूंडा और दीपक दबास को आरोपी बनाया है। शनिवार को दिल्ली पुलिस के बंदी रक्षकों की कड़ी सुरक्षा में दोनों को कैराना स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने दोनों की रिमांड के लिए न्यायालय में आवेदन दिया। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने भी अपना पक्ष रखा। न्यायालय ने रिमांड संबंधी आवेदन पर फैसला सुरक्षित रख लिया। अंकित बालियान की 26 अगस्त 2026 की शाम शामली में जिम से लौटते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। इसके बाद जांच के दौरान शामली पुलिस ने हत्या की साजिश में कथित भूमिका के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद योगेश टूंडा और दीपक दबास को भी मामले में आरोपी बनाया। पुलिस के अनुसार, दोनों का संबंध लॉरेंस बिश्नोई और गोगी गिरोह से बताया गया है।



शनिवार को दिल्ली पुलिस की टीम दोनों आरोपियों को लेकर कैराना न्यायालय पहुंची। पेशी से पहले सुरक्षा के मद्देनजर न्यायालय परिसर में कड़े इंतजाम किए गए थे। दोनों आरोपियों के साथ दिल्ली से आए आठ अधिवक्ता भी मौजूद रहे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई के दौरान शामली पुलिस ने दोनों को मामले में आरोपी बताते हुए रिमांड पर लेने की मांग की।

अदालत में आरोपियों की ओर से आए अधिवक्ताओं ने करीब 25 मिनट तक बहस की। इसके बाद न्यायालय ने रिमांड के आवेदन पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अब इस मामले में न्यायालय के निर्णय और पुलिस की आगे की विवेचना पर नजर रहेगी।

शामली के 1129 बूथों पर मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष शिविर, एडीएम ने लिया जायजा

शामली (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर शनिवार को शामली जनपद में विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत सभी 1129 मतदेय स्थलों पर विशेष शिविर आयोजित किए गए। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्र सिंह ने कैराना और शामली विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करने और मतदाता विवरण में त्रुटियों को दूर करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सत्येन्द्र सिंह कैराना विधानसभा क्षेत्र के विजय सिंह पथिक डिग्री कॉलेज स्थित बूथ संख्या 315 से 321, इस्लामिया स्कूल स्थित बूथ संख्या 266 से 274 और आर्य कन्या इंटर कॉलेज स्थित बूथ संख्या 292 से 298 पहुंचे। इसके बाद उन्होंने शामली विधानसभा क्षेत्र के वीवी इंटर कॉलेज स्थित बूथ संख्या 53 से 59 का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाता सूचियों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों से अभियान की प्रगति की जानकारी ली।



एडीएम ने निर्देश दिए कि विशेष अभियान दिवसों के अलावा अन्य दिनों में भी बीएलओ अपने निर्धारित दायित्वों का नियमित रूप से निर्वहन करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि जिन युवाओं की आयु एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरी हो रही है, वे अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर मतदाता बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, जनपद के सभी 451 मतदान केंद्रों के अंतर्गत 1129 मतदेय स्थलों पर शिविर लगाए गए। अगला विशेष अभियान 24 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक आयोजित होगा। इस दौरान बीएलओ नाम जोड़ने और मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन के लिए आवेदन प्राप्त करेंगे।

विशेष अभियान दिवस पर सभी उपजिलाधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने या पहले से दर्ज विवरण में संशोधन के लिए नागरिक भारत निर्वाचन आयोग के ईसीआईनेट मोबाइल ऐप और अन्य ऑनलाइन सुविधाओं का उपयोग भी कर सकते हैं। अधिकारियों ने पात्र नागरिकों से समय रहते आवेदन करने की अपील की।

संपादकीय

वोट की विश्वसनीयता पर उठते सवाल और लोकतंत्र की असली परीक्षा

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है और इस विश्वास की बुनियाद मतदाता का वह अधिकार है, जिसके माध्यम से वह अपनी सरकार चुनता है। जब इसी अधिकार की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगें, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया विवादों में घिर जाए तथा राजनीतिक दल एक-दूसरे पर चुनावी व्यवस्था को प्रभावित करने के आरोप लगाने लगें, तब मामला केवल सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता की परीक्षा बन जाता है। भारत में कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद अब इसी मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। 17 अक्टूबर को यूट्यूबर ध्रुव राठी ने ब्रिटेन की राजधानी लंदन में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन का आह्वान करके इस बहस को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की कोशिश की है। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर सवाल खड़ा किया है कि क्या भारत की चुनावी व्यवस्था से जुड़े विवादों का समाधान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से निकलेगा या पारदर्शिता, तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से? लंदन में प्रदर्शन का आह्वान अपने आप में इस बात का संकेत है कि मतदाता सूची का विवाद अब केवल भारतीय राजनीति की सीमाओं में सिमटा नहीं है। देश के भीतर विपक्षी दल, युवा संगठन और नागरिक अधिकारों से जुड़े समूह निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली तथा मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहे हैं। दूसरी ओर, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी इन आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताती रही है और निर्वाचन आयोग ने भी किसी दल के पक्ष में काम करने के आरोपों को स्वीकार नहीं किया है। ऐसे में जरूरी है कि बहस का आधार नारों और दावों के बजाय प्रमाण, आंकड़े और स्पष्ट प्रक्रियाएं बनें। किसी आरोप को केवल इसलिए सत्य नहीं माना जा सकता कि उसे बड़ी संख्या में लोग दोहरा रहे हैं, लेकिन किसी गंभीर आरोप को सिर्फ राजनीतिक विरोध बताकर खारिज कर देना भी उचित नहीं है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण इसी बहस का केंद्र है। निर्वाचन आयोग का तर्क है कि मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना जरूरी है, ताकि मृत व्यक्तियों, स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं और अन्य अपात्र प्रविष्टियों को हटाया जा सके तथा सभी पात्र नागरिकों के नाम सूची में शामिल रहें। यह किसी भी निष्पक्ष चुनाव की बुनियादी आवश्यकता है। लेकिन इस प्रक्रिया में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम छूट जाता है, दस्तावेजों की कठिन शर्तों के कारण गरीब, बुजुर्ग, प्रवासी श्रमिक या वंचित वर्ग के लोग परेशान होते हैं अथवा नाम हटाने के कारणों की जानकारी समय पर नहीं मिलती, तो सुधार की प्रक्रिया ही नागरिक के अधिकार में बाधा बन सकती है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि एक दूसरे का पूरक बनाया जाना चाहिए। हाल के घटनाक्रम में विवाद ने कानूनी मोड़ भी ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं की याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जवाब मांगा है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि नोटिस जारी होने का अर्थ किसी पक्ष को दोषी ठहराना नहीं होता। यह अंतर समझना बेहद जरूरी है। न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य आरोपों की जांच करना, संबंधित पक्षों को सुनना और कानून के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना है। किसी भी राजनीतिक दल को अदालत के विचाराधीन मामले को अपनी सुविधानुसार अंतिम फैसला बताने से बचना चाहिए।

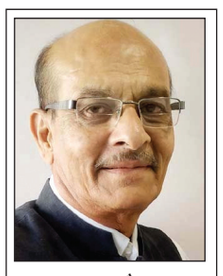
~ मौलिक चिंतन ~

जानते बूझते हुए धूर्त पर भरोसा करना, अपने मूर्ख होने का प्रमाण देना है।



© विनय संकोची

जंगल के कानून से सबक सीखने की जरूरत



सनत जैन

प्रकृति का सबसे बड़ा संदेश है, जियो और जीने दो। जंगल में रहने वाले पशु-पक्षियों और छोटे-से-छोटे जीव-जंतुओं का जीवन स्वतंत्रता, सहअस्तित्व और सभी के जीवन का सम्मान ही जीवन का आधार है। आश्चर्य यह है, जिस मनुष्य को बुद्धिमान, विवेकशील और सामाजिक प्राणी कहा जाता है, वही आज भौतिक सुविधाओं, सत्ता, संपत्ति और अहंकार के लिए प्रकृति तथा मानवता के लिये संकट बन गया है। जंगल में शेर, हाथी, हिरण, बंदर, पक्षी और असंख्य छोटे जीव रहते हैं। सबका जीवन जीने का अपना तरीका है। भोजन की तलाश में संघर्ष होता है, शिकारी और शिकार के बीच जीवन-मृत्यु का संघर्ष भी है। इसके बाद भी प्रकृति के भीतर एक संतुलन हमेशा काम करता है। पशु अपनी आवश्यकताओं और भूख मिटाने के लिए संघर्ष करते हैं। उनकी भूख मिट जाती है, तो शिकार की जरूरत भी समाप्त हो जाती है। मनुष्यों की तरह धन-संपत्ति जमा करने, दूसरे जीवों के संसाधनों पर कब्जा करने या समूचे जंगल पर साम्राज्य स्थापित करने की प्रवृत्ति उनमें नहीं होती है। जंगल में पानी के एक ही स्रोत से अलग-अलग प्रजातियों के जीव अपनी प्यास बुझाने वहां पहुंचते हैं। हालांकि वहां भी खतरे, प्रतिस्पर्धा और हिंसा से पूरी तरह मुक्ति नहीं होती, फिर भी प्रकृति के नियम सभी जीवों के अस्तित्व को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। समूह में रहने वाले सभी जीव अपनी संतानों और साथियों की रक्षा करते हैं। वे अपने जीवन और भोजन के लिए संघर्ष करते हैं। मनुष्य की तरह विचारधारा, भौतिक सुख सुविधाओं, सत्ता के विस्तार और आखेट के नाम पर विनाश नहीं करते हैं।

इसके विपरीत, आज दुनिया का बड़ा हिस्सा सत्ता के अहंकार, आर्थिक असमानता और वर्चस्व की लड़ाई में उलझा हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव हो या दुनिया के अन्य क्षेत्रों में जारी हिंसा हो, इसकी कीमत आम नागरिकों, बच्चों, महिलाओं और निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ रही है। सत्ता में बने रहने की लालसा और शक्ति प्रदर्शन की राजनीति ने मानव जीवन को आंकड़ों और पूंजी के रूप में बदल दिया है। प्रश्न यह है कि जिस सत्ता का उद्देश्य जनता की सुरक्षा और कल्याण होना चाहिए, वही यदि लोगों की मृत्यु और विनाश का कारण बनने लगे, तो उसकी नैतिकता और उसके अस्तित्व पर सवाल क्यों नहीं उठना चाहिए? पिछले कुछ दशकों में पूंजीवादी व्यवस्था का विस्तार, संसाधनों पर नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा और धन के असमान वितरण ने सामाजिक विषमता की समस्या को और गंभीर बना दिया है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर पूंजीवादी गतिविधि विनाशकारी है, बल्कि चिंता उस व्यवस्था से है, जिसमें मुनाफा मानवता से ऊपर हो जाए, संपत्ति कुछ हाथों में सिमटती चली जाए। गरीब की कठिनाइयां लगातार बढ़ती रहें। उसे 2 वक्त का भोजन, कपड़ा और रहने के लिये घर ना मिले। लोकतंत्र में सत्ता जनसेवा का माध्यम होना चाहिए, जब कुर्सी ही शासक का सर्वोच्च लक्ष्य बन जाए, तब संस्थाएं कमजोर होती हैं, सामाजिक विश्वास टूटता है, सामाजिक व्यवस्था कमजोर होती है। नागरिक अपने ही तंत्र के सामने असहाय हो जाते है। तभी जीवन को बचाने क्रांति का शंखनाद होता है।

इसका प्रभाव केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, वायु की गिरती गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हमारे विकास मॉडल पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से अंतरिक्ष तक अपनी पहुंच बनाई है, लेकिन अपनी पृथ्वी को सुरक्षित नहीं रख पा रहे है। प्राकृतिक आपदायें बढ़ती जा रही हैं। प्रकृति से अधिक शक्तिवान बनने की हमारी महत्वाकांक्षा कहीं हमें अपने ही अस्तित्व के विरुद्ध खड़ा तो नहीं कर रही? हमें यह भी समझना होगा कि जंगल का जीवन पूरी तरह अहिंसक या भयमुक्त नहीं है। वहां भी शिकार, संघर्ष, जीवन और मृत्यु है। जंगल के सभी जीव हमें एक महत्वपूर्ण सीख देते हैं। जीवन का संतुलन किसी एक जीव के असीमित वर्चस्व से नहीं, बल्कि अनेक जीवों के सहअस्तित्व से बनता है। सभी जीव एक-दूसरे के सहयोगी और एक मनुष्य के पास विवेक, कानून, विज्ञान और नैतिकता जैसे साधन हैं। इसलिए मानव जीवन को कर्मफल से जोड़ा जाता है। अपेक्षा भी अधिक है। मानवों की हिंसा को प्रकृति का नियम बताकर उचित ठहराने का कोई अधिकार नहीं है। आज विश्व के नेताओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सभी देशों की सरकारों को वर्तमान स्थिति पर आत्ममंथन करना चाहिए। सीमाएं राजनीतिक हो सकती हैं, लेकिन हवा, पानी, जलवायु और प्रकृति की संरचना किसी एक देश की सीमाओं में कैद नहीं हैं। एक देश का प्रदूषण, युद्ध या पर्यावरणीय विनाश दूसरे देशों को भी प्रभावित करता है। ब्रह्मांड की विशालता और प्रकृति की परस्पर संबद्धता पृथ्वी की सीमा किसी एक राष्ट्र, धर्म, विचारधारा या पीढ़ी की संपत्ति नहीं है। मानव समाज को अब यह तय करना होगा, वह अपनी बुद्धि का उपयोग जीवन बचाने के लिए करेगा या विनाश के नए साधन बनाने के लिए करेगा। सत्ता स्थायी नहीं है, धन स्थायी नहीं है। प्रकृति का जीवन अधिक मूल्यवान है। मानव जीवन में अपनी सीमाएं, सह अस्तित्व सभी जीवों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। ऐसा नहीं किया तो मानव जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल यह नहीं है, कौन शासक सबसे शक्तिशाली है, मनुष्य अपनी शक्ति का उपयोग किसलिए कर रहा है। और मानव जीवन जिस दिन बुद्धिमान कहलाने वाला मनुष्य दूसरों को जीने का अधिकार देना सीख जाएगा, उसी दिन उसकी बुद्धिमत्ता सार्थक होगी। जंगल की लाखों प्रजातियों के सहअस्तित्व से मानव समाज को सुरक्षित रखने का गुण हमें सीखना होगा। भौतिक सुविधाओं, अहंकार, अधिक से अधिक जीवन और सम्पति पर कब्जा करने की जो प्रवत्ति देखने को मिल रही है, वह सम्पूर्ण प्रकृति को नष्ट करने वाली है। उसमें कोई सुरक्षित नहीं रहेगा।

न्यायपालिका को डराने की कोशिशें बेअसर लोकतंत्र में कानून से ऊपर कोई नहीं



मनोज कुमार अग्रवाल

राहुल गांधी के मार्च पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का दोटूक संदेश अदालत अपनी स्वतंत्रता और गरिमा से समझौता नहीं करेगी... देश में चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणी ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और संवैधानिक मर्यादा को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया है। राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं के विरोध मार्च से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि अदालत को डराने या धमकाने की कोशिशों का कोई असर नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय को इस बात की पूरी जानकारी रहती है कि उसके बाहर क्या कहा जा रहा है और अदालत के भीतर क्या हो रहा है। न्यायपालिका किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं रहती, बल्कि परिस्थितियों और घटनाक्रम से भलीभांति परिचित रहती है।

मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव बढ़ा हुआ है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इस प्रक्रिया को चुनौती दी है। इस मुद्दे पर राजनीतिक विरोध, ज्ञापन और मार्च के बाद मामला न्यायालय तक पहुंचा है। ऐसे माहौल में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक असहमति और न्यायिक प्रक्रिया दोनों का अपना अलग स्थान है। लोकतंत्र में विरोध करना राजनीतिक दलों और नागरिकों का अधिकार है, लेकिन विरोध की अभिव्यक्ति ऐसी होनी चाहिए, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और कानून की सीमाओं का सम्मान करे। किसी निर्णय से असहमति होने पर संबंधित संस्था के सामने तथ्य रखना, कानूनी उपाय अपनाना और न्यायालय में याचिका दायर करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। इसके विपरीत किसी संस्था पर दबाव बनाने अथवा उसकी कार्यप्रणाली को प्रभावित करने का प्रयास स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुकूल नहीं माना जा सकता। न्यायपालिका की स्वतंत्रता केवल न्यायाधीशों का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा से जुड़ी हुई है।

विपक्षी नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े चुनाव आयोग के फैसलों को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। इसमें प्रक्रिया से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने, मतदाता सूची से नाम हटाने के नियमों का पालन सुनिश्चित करने, हटाए गए नामों का विवरण सार्वजनिक करने और मतदाता संबंधी आंकड़ों की स्वतंत्र जांच कराने जैसी मांगें उठाई गई हैं। याचिकाकताओं ने सुनवाई पूरी होने तक इस प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने का अनुरोध भी किया है। न्यायालय ने मामले में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। इससे स्पष्ट है कि विवाद का समाधान अब संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से तलाशा जाएगा।

यहां एक महत्वपूर्ण बात समझने की आवश्यकता है कि न्यायालय में याचिका दायर करना किसी पक्ष के आरोपों को स्वतः सही सिद्ध नहीं करता। इसी तरह किसी प्रक्रिया पर सवाल उठने मात्र से उसे गलत नहीं माना जा सकता। आरोपों, तथ्यों और संबंधित कानूनों की जांच के बाद ही न्यायालय किसी निष्कर्ष पर पहुंचता है। इसलिए सभी पक्षों को न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने की प्रतीक्षा करनी चाहिए। लोकतंत्र में संस्थाओं के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि राजनीतिक दावों और कानूनी निष्कर्षों के बीच अंतर समझा जाए।

विरोध मार्च से जुड़े घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय परिसर के बाहर की गतिविधियों और कथित धक्का-मुक्की को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय परिसर में लगे निगरानी कैमरों और अन्य डिजिटल सामग्री को सुरक्षित रखने की मांग की गई। इस पर न्यायमूर्ति बागची ने संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उपलब्ध दृश्य और डिजिटल सामग्री सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। निजी पक्षों को भी संबंधित सामग्री प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई। इस निर्देश का उद्देश्य घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों को सुरक्षित रखना है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनकी जांच की जा सके। किसी भी विवाद में निष्पक्ष जांच और प्रमाणों का संरक्षण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

इस प्रकरण का एक दूसरा पहलू भी है। राजधानी दिल्ली में लगातार हो रहे राजनीतिक प्रदर्शनों को लेकर व्यापारिक संगठनों ने चिंता जताई है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने गृह मंत्री को पत्र लिखकर कनॉट प्लेस में प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने की मांग की है। संगठन का दावा है कि पूर्व के प्रदर्शनों से व्यापार को भारी नुकसान हुआ और दुकानदारों के सामने आर्थिक कठिनाइयां पैदा हुईं। संगठन ने त्योहारों के समय प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में प्रदर्शन रोकने तथा भविष्य के लिए अलग प्रदर्शन स्थल निर्धारित करने जैसी मांगें भी रखी हैं। इन दावों की वास्तविकता का आकलन संबंधित तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए, लेकिन व्यापारियों की चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

राजधानी के व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों में प्रदर्शन होने से यातायात, ग्राहकों की आवाजाही और दुकानों के संचालन पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर, नागरिकों और राजनीतिक संगठनों को अपनी बात रखने का अधिकार भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह कानून-व्यवस्था, आम नागरिकों की सुविधा, व्यापारिक गतिविधियों और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार के बीच संतुलन स्थापित करे। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थान और स्पष्ट नियम होने से विवाद तथा अव्यवस्था की आशंका कम की जा सकती है।

जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाए जाने के बाद भी इस विषय पर बहस तेज हुई है। प्रदर्शन के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी मैदान जैसे स्थान निर्धारित किए गए हैं। किसी भी स्थान पर प्रदर्शन की अनुमति देने या रोकने का निर्णय कानून, सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था के आधार पर होना चाहिए। नियम सभी राजनीतिक दलों और संगठनों पर समान रूप से लागू होने चाहिए, ताकि किसी के साथ पक्षपात का आरोप लगाने की गुंजाइश न रहे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणी का व्यापक संदेश यही है कि संवैधानिक संस्थाओं को अपना काम स्वतंत्र रूप से करने दिया जाना चाहिए। न्यायालय का दायित्व है कि वह कानून के अनुसार सभी पक्षों को सुने और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्णय दे। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करना है, जबकि राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आरोपों और आपत्तियों को प्रमाणों के साथ संबंधित मंच पर रखें। लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि संस्थाओं की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों की रक्षा और कानून के समान अनुपालन से भी होती है।

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले



ललित गर्ग

आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे।

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुरजोर वकालत करते हैं। इस



प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि इस गंभीर विषय पर केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठाएं ताकि इस दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में सर्वोच्च न्यायालय का चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवादों पर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है। 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्ण के नेताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर मार्च किया, इस पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया भी सराहनीय है। भले ही विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, मतदाताओं के नाम हटाए जाने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए, इन आरोपों की सत्यता का निर्धारण न्यायिक परीक्षण और संबंधित अभिलेखों के आधार पर होना चाहिए, लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपनी राजनीतिक इच्छा व्यक्त करने का संवैधानिक अवसर है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता किसी एक दल का नहीं, पूरे लोकतंत्र का प्रश्न है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करना एक गलत परम्परा का सूत्रपात है।

15 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी नेताओं की याचिका पर निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जवाब माँगा। इससे स्पष्ट होता है कि निर्वाचन आयोग जैसी महत्त्वपूर्ण संवैधानिक संस्था के निर्णय भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकते हैं। आयोग की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि उसके प्रत्येक निर्णय को प्रश्नों से परे मान लिया जाए। इसी प्रकार, किसी निर्णय से असहमति अपने आप में यह प्रमाणित नहीं करती कि आयोग ने अनुचित कार्य किया है। न्यायिक समीक्षा का उद्देश्य आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट करना, निर्णय प्रक्रिया की वैधानिकता जाँचना तथा नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने 12 अक्टूबर के मार्च को लेकर राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य संबंधित नेताओं से भी जवाब माँगा। न्यायालय की चिंता यह थी कि राजनीतिक प्रदर्शन के माध्यम से न्यायपालिका पर दबाव बनाने की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इस प्रसंग का मूल्यांकन करते समय यह समझना आवश्यक है कि शांतिपूर्ण विरोध, राजनीतिक असहमति और न्यायालय की गरिमा-तीनों लोकतंत्र के महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं। विपक्ष को सरकार और निर्वाचन आयोग से प्रश्न पूछने का अधिकार है, लेकिन न्यायिक संस्थाओं की स्वतंत्रता का सम्मान करना भी उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। दूसरी ओर, न्यायालय की गरिमा की रक्षा के नाम पर वैध आलोचना और शांतिपूर्ण असहमति के अधिकार को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। नोटिस जारी होना किसी को दोषी घोषित करना नहीं, बल्कि उसका पक्ष जानने की न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

यही वह बिंदु है जहाँ न्यायिक सक्रियता और न्यायिक संयम के बीच संतुलन का प्रश्न सामने आता है। यदि न्यायपालिका सामाजिक अन्याय, प्रशासनिक मनमानी अथवा संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन पर मौन रहे, तो आम नागरिक का न्याय व्यवस्था से विश्वास कमजोर हो सकता है। लेकिन यदि न्यायपालिका प्रत्येक राजनीतिक विवाद में स्वयं को निर्णायक नीति-निमार्ता की भूमिका में रखे, तो शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत प्रभावित हो सकता है। लोकतंत्र की संस्थाएँ एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक-दूसरे को संवैधानिक मर्यादाओं में रखने वाली व्यवस्थाएँ हैं। विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका यह सुनिश्चित करती है कि कानून तथा उनका क्रियान्वयन संविधान की सीमाओं के भीतर हों। इन तीनों के बीच स्वस्थ संतुलन ही लोकतांत्रिक स्थिरता की आधारशिला है। सर्वोच्च न्यायालय की प्रतिष्ठा उसके आदेशों की कठोरता से अधिक उसकी निष्पक्षता, स्वतंत्रता और तर्कपूर्ण निर्णयों से निर्मित होती है। आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे। धर्मांतरण और आरक्षण के प्रश्न पर स्पष्टता, चुनावी विवादों में पारदर्शिता तथा न्यायालय के प्रति सम्मान-ये अलग-अलग विषय दिखाई दे सकते हैं, लेकिन इन सभी के केंद्र में एक ही मूल प्रश्न है कि संविधान की सर्वोच्चता व्यवहार में कैसे सुनिश्चित हो। न्याय का अर्थ किसी पक्ष की जीत और दूसरे पक्ष की हार भर नहीं है। न्याय वह विश्वास है, जो नागरिक को यह भरोसा देता है कि उसकी आवाज सुनी जाएगी, उसके अधिकारों का निष्पक्ष परीक्षण होगा और शक्तिशाली व्यक्ति या संस्था भी कानून से ऊपर नहीं होगी। सर्वोच्च न्यायालय की वास्तविक शक्ति तभी सिद्ध होगी, जब उसका प्रत्येक निर्णय राजनीतिक शोर से ऊपर उठकर संवैधानिक विवेक, सामाजिक संवेदनशीलता और विधिक निष्पक्षता का उदाहरण बने।



दुनिया के इस खूबसूरत गांव में मौजूद है फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं, फिर भी नहीं है कोई रहने वाला

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कुछ ऐसी ही एक जगह है उत्तर कोरिया का किजोंग-डोंग गांव। खूबसुरती के मामले में इस गांव का कोई तोड़ नहीं है, लेकिन यहां पर कोई रहने वाला ही नहीं है। हालांकि, इस गांव में आलीशान इमारतें, साफ-सुथरी सड़कें, पानी की टंकी, बिजली, स्ट्रीट लाइट समते तमाम तरह की सुविधाएं हैं।

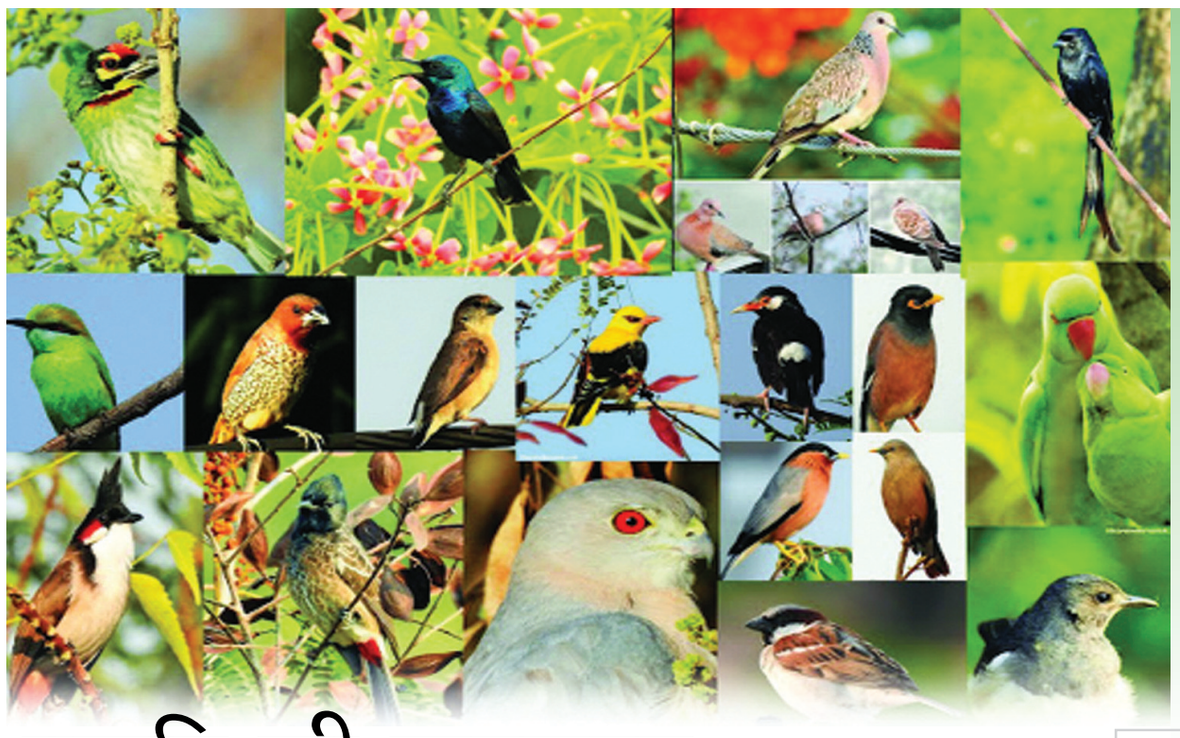
किजोंग-डोंग गांव साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के मिलिट्रीरहित जोन में स्थित है। साल 1953 में कोरियन वॉर के बाद हुए युद्ध विराम के दौरान इस गांव को बनाया गया था। कई लोग इस गांव को प्रोपगैंडा विलेज कहते हैं। लोगों का ये मानना है कि इस गांव का निर्माण इसलिए कराया गया ताकि उथ कोरिया में रह रहे लोगों को ऐसा लगे कि यहां के लोगों की लाइफ काफी लग्जरी है।

किजोंग-डोंग का इतिहास

किजोंग-डोंग गांव के निर्माण का किस्सा भी काफी रोचक है। दरअसल, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच जब कोरियाई युद्ध की अनौपचारिक समाप्ति हुई, उसी समय इस गांव का निर्माण हुआ। तीन साल तक चले इस युद्ध में 30 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इस दोनों देशों को अलग करने वाले क्षेत्र को डिमिलिट्राइज एरिया के रुप में जाना जाता है। युद्ध के दौरान दोनों देशों ने यहां से अपने नागरिकों को हटा दिया था। युद्ध विराम की घोषणा के समय यह तय किया गया कि दोनों देश सीमा पर सिर्फ एक ही गांव को बरकरार रख सकते थे या फिर नया गांव बसा सकते थे। ऐसे में दक्षिण कोरिया ने अपनी सीमा में मौजूद फ्रीडम विलेज के रुप में जाना जाने वाला डाइसॉन्ग-डोंग को बरकरार रखा। यहां पर करीब 226 लोग रहते हैं। इतना ही नहीं इस गांव के लोगों को विशेष पहचान पत्र दिया गया है और रात 11 बजे के बाद कर्फ्यू लग जाता है।

दूसरी तरफ उत्तर कोरिया ने पीस विलेज के रुप में एक नया गांव किजोंग-डोंग का निर्माण करवाया। इस गांव को लेकर उत्तर कोरिया का ये दावा है कि यहां पर 200 निवासी हैं। बच्चों के लिए किंडरगार्टन, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के अलावा यहां रह रहे लोगों के लिए अस्पताल भी है। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह गांव एकदम सुनसान है और यहां कोई नहीं रहता है। लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए रोजाना घरों में लाइट जलाई जाती हैं और सड़कों पर सफाईकर्मी झाड़ू लगाते नजर आते हैं। लेकिन इस गांव में रहने वाले लोग नहीं दिखाई देते हैं।





पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी पंख

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

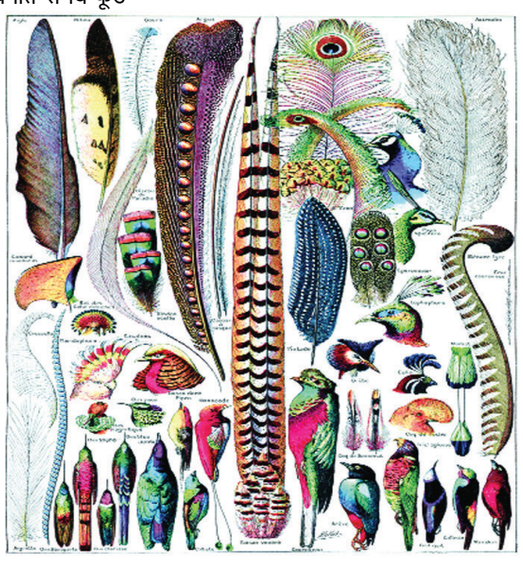
पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।



एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

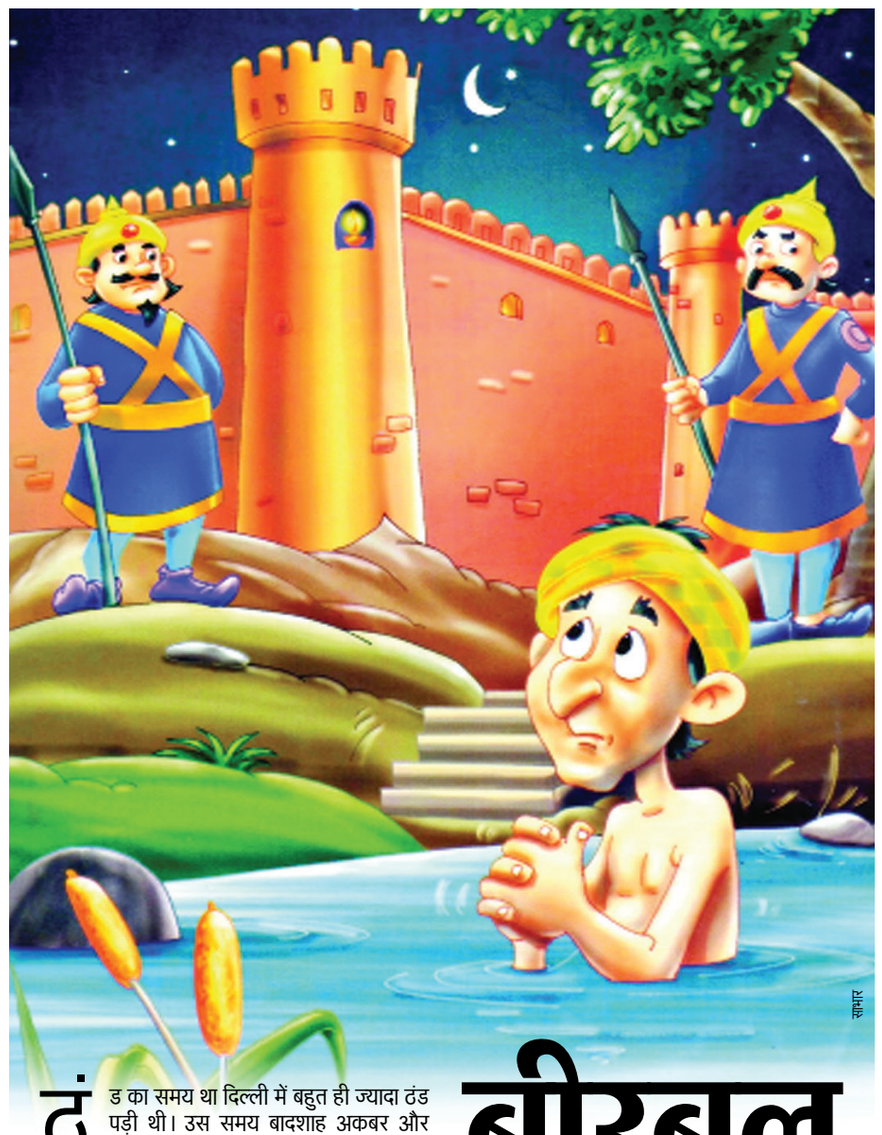
बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।



रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।



बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।



अमेरिका में भारतीय निवेश 330 अरब डॉलर पार

एस्सार का 15 अरब डॉलर का इस्पात संयंत्र भी सूचीबद्ध

वाशिंगटन ।

व्हाइट हाउस ने अमेरिका में खरबों डॉलर के विदेशी निवेश की सूची जारी की है, जिसमें भारत 330 अरब डॉलर से अधिक के महत्वपूर्ण निवेश के साथ शीर्ष निवेशकों में शामिल हो गया है। इस सूची में भारत की दो प्रमुख प्रविष्टियां दर्शाई गई हैं, जो अमेरिका की अर्थव्यवस्था में उसके बढ़ते विश्वास को रेखांकित करती हैं। व्हाइट हाउस के यूट्यूब चैनल पर लगातार प्रदर्शित हो रही इस सूची में भारत का कुल निवेश 330 अरब डॉलर से अधिक दर्ज किया गया है, जिसमें 310 अरब डॉलर और 20.5 अरब डॉलर की दो अलग-अलग प्रविष्टियां शामिल हैं। इस सूची में आयोवा में एस्सार समूह के मेसाबी मेटालिक्स द्वारा घोषित 15 अरब डॉलर के इस्पात संयंत्र को भी प्रमुखता से दर्शाया गया है। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर खरबों डॉलर के सुखद प्रवाह का स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा टेक्सास में एक तेल रिफाइनरी स्थापित करने के लिए 300 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की गई थी, जिसे इस सूची में शामिल किया गया है। मई में, सिलेक्टयूएसए इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान भी भारतीय उद्योग जगत ने अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी।

हल्दी की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, सूखे और अल नीनो का असर

पिछले एक साल में 80 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रसोई का अहम हिस्सा, हल्दी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। पिछले एक साल में 80 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी के साथ, हाजिर बाजार में यह 23,000 रुपए प्रति क्विंटल के पार बिक रही है, जबकि वायदा बाजार में यह 24,500 रुपए तक पहुंच गई है। इस अभूतपूर्व तेजी का मुख्य कारण मांग में तेजी और अल नीनो के कारण घटती आपूर्ति है। पिछले एक महीने में हल्दी के दाम 18 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। किसान और स्टॉकिस्ट बेहतर दाम की उम्मीद में माल रोक रहे हैं, साथ ही पिछले सीजन के मुकाबले कैरी-फॉरवर्ड स्टॉक में 5 लाख बोरे की कमी भी एक कारण है। अल नीनो के प्रभाव से सूखे की स्थिति और फसल पर इसके प्रतिकूल असर की आशंका ने कीमतों को और भड़का दिया है। कर्नाटक में लगभग 13,446 हेक्टेयर हल्दी की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिसकी कीमत 188.24 करोड़ रुपए आंकी गई है। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में सूखे के कारण बुवाई का रकबा 20-30 फीसदी घट गया है, जिससे अगले साल उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका है। वैश्विक बाजार में बढ़ती मांग के बावजूद, आपूर्ति की कमी से जुलाई 2026 में निर्यात 10 फीसदी घटा है, जो मौजूदा संकट को और गहरा रहा है। यह स्थिति उपभोक्ताओं और निर्यातकों दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

एचडीएफसी ने पेश किया नया भारत इक्विटी ईटीएफ

एक निवेश में मिलेगी बाजार की डाइवर्सिटी

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अपना नया एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), एचडीएफसी एफटीएसई इंडिया इक्विटी ईटीएफ सूचीबद्ध कर दिया है। यह नया फंड निवेशकों को एक ही निवेश के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार की कई प्रमुख कंपनियों में विविधीकृत एक्सपोजर हासिल करने का एक आसान तरीका प्रदान करेगा, जिससे उन्हें अलग-अलग शेयरों में निवेश की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह ईटीएफ एफटीएसई इंडिया इक्विटी इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जो एफटीएसई इंडिया ऑल कैप इंडेक्स के कुल बाजार मूल्य का लगभग 90 फीसदी कवर करता है। इसका अर्थ है कि निवेशक विभिन्न आकार की भारतीय कंपनियों में अपना पैसा लगा सकेंगे, जिससे उनके पोर्टफोलियो में विविधता आएगी। एक ओपन-एंडेड ईटीएफ होने के नाते, इसका प्राथमिक उद्देश्य इंडेक्स के प्रदर्शन के करीब रिटर्न देना है, जिसमें शेयरों का चुनाव इंडेक्स के नियमों के आधार पर होगा।

एचडीएफसी के एक अे धिकारी ने इस अवसर पर कहा कि यह ईटीएफ ऐसे निवेशकों की जरूरत पूरी करेगा जो भारतीय शेयर बाजार की वृद्धि का लाभ आसान और पारदर्शी तरीके से उठाना चाहते हैं। इस लिस्टिंग के साथ, एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने अपने पैसिव निवेश उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार किया है।

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट के बाद जोरदार तेजी से हुआ बंद

वैश्विक चिंताओं और महंगाई ने बढ़ाई निवेशकों की बेचैनी

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को खासा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक चिंताओं, विदेशी निवेश की निकासी और बढ़ती महंगाई के शुरुआती दबाव के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए सप्ताह का समापन बढ़त के साथ किया। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों सूचकांकों ने सप्ताह के अंत तक महत्वपूर्ण उछाल दर्ज की, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को भारी गिरावट के साथ हुई। वैश्विक चिंताओं, विदेशी निवेश की निकासी और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण सेंसेक्स 547 अंक से अधिक गिरकर 71,924 पर और निफ्टी 157 अंक फिसलकर 22,363 पर बंद हुआ। कमजोर निवेशक धारणा और मुद्रास्फीति की चिंताओं ने बाजार को और नीचे खींचा। हालांकि, मंगलवार को बाजार में जोरदार वापसी हुई। शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स 1,109 अंक उछलकर 73,033 पर और निफ्टी 358 अंक बढ़कर 22,721 पर बंद हुआ। रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। बुधवार को एक बार फिर उतार-चढ़ाव का दौर देखा गया और सेंसेक्स 251 अंक गिरकर 72,781 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 22,688 पर रहा। इस दिन कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेश की लगातार निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। सप्ताह के अंतिम दो दिनों में भारतीय शेयर बाजार ने ज़बरदस्त तेजी दर्ज की।

गुरुवार को बैंक, आईटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख शेयरों में भारी खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते सेंसेक्स 1,533 अंक की विशाल बढ़त के साथ 74,315 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 374 अंक बढ़कर 22,997 पर बंद हुआ। यह तीन हफ्ते का उच्च स्तर था। शुक्रवार को भी यह तेजी जारी रही। आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और मजबूत वैश्विक रुझानों के दम पर सेंसेक्स 413 अंक और निफ्टी 148 अंक की बढ़त के साथ क्रमशः 74,729 और 23,146 पर सप्ताह का समापन किया।

विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड गिरावट

- रुपए को बचाने के लिए आरबीआई की कवायद जारी

नई दिल्ली ।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 9 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.6 अरब डॉलर घटकर 726 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से रुपये को डॉलर के मुकाबले अत्यधिक गिरने से बचाने के लिए आरबीआई द्वारा बाजार में लगातार डॉलर बेचने के कारण हुई है। गौरतलब है कि 4 सितंबर को 785.71 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से पिछले पांच हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 59.7 अरब डॉलर की भारी कमी आई है। विदेशी मुद्रा भंडार में इस बड़ी गिरावट की सबसे बड़ी वजह रुपये पर बना दबाव है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं, साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण रुपये पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने बताया कि आरबीआई ने इस सप्ताह के दौरान लगभग 9.8 अरब डॉलर बेचे, हालांकि विदेशी मुद्रा के मूल्य में बदलाव से कुछ हद तक कुल गिरावट कम रही। विदेशी मुद्रा भंडार के विभिन्न घटकों पर नजर डालें तो, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.14 अरब डॉलर घटकर 597.61 अरब डॉलर रह गईं, जो कुल भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, सोने का भंडार भी 1.32 अरब डॉलर घटकर 105.09 अरब डॉलर पर आ गया।

हरियाणा में 4000 करोड़ का निवेश, स्वीडन यात्रा ने खोले नए द्वार

सीएम सैनी की पहल से व्यापार, रोजगार के अवसर सृजित

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की हालिया स्वीडन यात्रा राज्य के लिए 4,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश प्रस्ताव लेकर आई है। हाल ही में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वीडिश कंपनियों के साथ आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए, जो हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चार दिवसीय यात्रा पर स्वीडन पहुंचा था। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य हरियाणा में विदेशी निवेश आकर्षित करना, वैश्विक औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करना और प्रौद्योगिकी तथा टिकाऊ विकास में सहयोग को बढ़ावा देना था। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह यात्रा वैश्विक निवेश मानचित्र पर हरियाणा की स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। यात्रा के दौरान गुरुग्राम और स्टॉकहोम के बीच एक ऐतिहासिक शहर-से-शहर सहयोग समझौता भी हुआ। इस समझौते के तहत दोनों शहर तकनीकी नवोन्मेष, स्मार्ट सिटी समाधान, टिकाऊ शहरी विकास, ज्ञान के आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन पर मिलकर काम करेंगे, जिससे दीर्घकालिक साझेदारी को बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त, बयान में यह भी कहा गया कि खुदरा और भंडारण क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये के आशय पत्रों पर भी सहमति बनी है, जो राज्य में इन क्षेत्रों के विकास को गति प्रदान करेगा। यह पहल हरियाणा को वैश्विक मंच पर एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करती है।

लेंसकार्ट की चमक बरकरार, शेयर 43 फीसदी चढ़ा,निवेशकों ने की बंपर खरीदारी

म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सॉफ्टबैंक के सभी शेयर हाथों-हाथ खरीदे

नई दिल्ली ।

जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी कम करने के बावजूद, आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस पर निवेशकों का भरोसा अटूट बना हुआ है। मई 2026 में लॉक-इन अवधि समाप्त होने के बाद सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों द्वारा बेचे गए सभी शेयरों को म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने हाथों-हाथ खरीद लिया है, जो कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और भविष्य की विकास संभावनाओं में गहरे विश्वास को दर्शाता है। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट ने एक बार फिर निवेशकों का दिल जीत लिया है, जब जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी घटाई।

इन बड़े निवेशकों के बाहर निकलने के बावजूद, घरेलू म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने उनके बेचे गए सभी शेयरों को हाथों-हाथ खरीद लिया, जो कंपनी की मजबूत बुनियाद और आकर्षक भविष्य के प्रति उनके भरोसे को उजागर करता है।

सितंबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, एसबीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड लेंसकार्ट में सबसे बड़ा फंड निवेशक बनकर उभरा है, जिसके पास कंपनी की 3 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके बाद कोटक टेक्नॉलजी फंड (1.76 फीसदी) और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड (1.34 फीसदी) का स्थान आता है।

निवेशकों के इस मजबूत भरोसे का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला है। शुक्रवार को लेंसकार्ट का शेयर 0.59 फीसदी की बढ़त के साथ 646.5 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 43.4 फीसदी की शानदार तेजी आई है, जबकि इसी अवधि में निफ्टी 50 में 11.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

विश्लेषकों का मानना है कि लेंसकार्ट के शेयर की यह तेजी केवल बाजार के अत्यधिक उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में ठोस वृद्धि और भविष्य की मजबूत संभावनाओं को दर्शाती है। एक रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 के बाद से शेयर का दो साल आगे का पीई मल्टीपल केवल 8 फीसदी बढ़ा है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28 के लिए मुनाफे के अनुमानों को 27-30 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है। कंपनी के नवीनतम वित्तीय परिणाम भी इस बात की पुष्टि करते हैं; जून तिमाही में लेंसकार्ट का राजस्व सालाना आधार पर 34 फीसदी बढ़कर 2,710 करोड़ रुपये हो गया।

इस प्रकार, सॉफ्टबैंक जैसे शुरुआती निवेशकों के बाहर निकलने के बावजूद, लेंसकार्ट अपने दमदार वित्तीय प्रदर्शन और आकर्षक विकास संभावनाओं के दम पर नए संस्थागत निवेशकों को लगातार आकर्षित कर रही है।

यह निवेशकों के बीच कंपनी की दीर्घकालिक क्षमता और बाजार में बढ़ती पकड़ में गहरे विश्वास को दर्शाता है, जिससे यह आने वाले समय में भी एक मजबूत और टिकाऊ खिलाड़ी बनी रहेगी।

कच्चे तेल में फिर भारी उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के पार

हूती हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल दर्ज किया गया है। मई के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड का भाव 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया, जबकि अमेरिकी क्रूड में भी लगभग 4 फीसदी की तेजी आई है। वैश्विक आपूर्ति में जल्द सुधार की उम्मीदें कमजोर पड़ने और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने ऊर्जा बाजार की चिंता बढ़ा दी है। तेल की बढ़ती कीमतों के पीछे कई कारण हैं। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के सऊदी अरब के तेल ठिकानों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा संयंत्रों व रिफाइनरियों को लगातार निशाना बनाए जाने से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडरा रहा



है। रूस की रियाजान तेल रिफाइनरी पर हमले के बाद परिचालन रोकना पड़ा, जिससे रूसी डीजल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। काला सागर क्षेत्र में तनाव भी वैश्विक तेल एवं ईंधन आपूर्ति पर दबाव बनाए हुए है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा दूसरी तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।



बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 757 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 643 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में उसकी कुल आय 18.3 प्रतिशत बढ़कर 3,251 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,748 करोड़ रुपये थी।बजाज हाउसिंग फाइनेंस की शुद्ध ब्याज आय सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 1,055 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 956 करोड़ रुपये थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2026 तक 25 प्रतिशत बढ़कर 1.58 लाख करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी तारीख को यह 1.27 लाख करोड़ रुपये थी।

ट्रंप का यू-टर्न-रूसी तेल खरीदारों पर लगाए शुल्क तुरंत माफ

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी कानून के तहत लगाए गए शुल्कों को तुरंत माफ कर दिया है, जिससे भारत और चीन जैसे प्रमुख आयातकों को बड़ी राहत मिली। यह फैसला 100 फीसदी शुल्क लागू होने से ठीक एक दिन पहले आया और अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शन्स रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 को लागू किया गया था। इस कानून में रूसी तेल और गैस के शीर्ष पांच खरीदारों से आने वाले सामानों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रावधान था, जो 18 अक्टूबर को समाप्त हो रही समय-सीमा के बाद नई खरीद पर लागू होना था। यह कानून रूसी उत्पादों पर 500 फीसदी तक शुल्क का भी प्रावधान करता था। हालांकि, उसी आदेश की धारा 4 का उपयोग करते हुए ट्रंप ने इन सभी शुल्कों को तुरंत निलंबित कर दिया। उन्होंने लिखा, मैं ग्राहम एक्ट की धारा 112 और 113, या इस आदेश में बताए गए किसी भी शुल्क को लागू करने से छूट देता हूं (माफ करता हूं)। यह छूट तब तक प्रभावी रहेगी जब तक राष्ट्रपति या संबंधित मंत्री आगे कोई और कदम उठाने का निर्णय नहीं लेते। इस आदेश में किसी



देश का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन इसका सीधा फायदा रूसी तेल के बड़े खरीदारों को मिला है।

यस बैंक एटी-1 बॉन्ड मामला- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दो एमएफ ने निवेश रोका

कोटक और निप्पॉन लाइफ ने कुछ डेट फंडों में नए निवेश पर लगाई अस्थायी रोक

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यस बैंक के अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड को बहाल करने के फैसले के बाद, कोटक महिंद्रा एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट ने अपने कुछ डेट म्युचुअल फंड योजनाओं में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह कदम निवेशकों के हितों की सुरक्षा और पुरानी एनएवी में अचानक संभावित बढ़ोतरी के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि नए निवेशकों के प्रवेश से पुराने निवेशकों के लाभ में कमी न आए। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें यस बैंक के इन बॉन्डों को बट्टे खाते में डालने के फैसले को रद्द किया गया था। इस फैसले से उन म्युचुअल फंड योजनाओं के नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिनके पास ये बॉन्ड थे और जिनका मूल्य अभी तक शून्य माना गया था। कोटक महिंद्रा एएमसी ने कोटक मीडियम टर्म फंड और कोटक क्रेडिट रिस्क फंड में नए निवेश पर रोक लगाई है, जिनकी कुल परिसंपत्तियां 2,680 करोड़ रुपये हैं। इसी तरह, निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट ने भी अपने इंडिया रिटायरमेंट फंड की वेल्थ क्रिएशन और इनकम जेनरेशन योजनाओं में नया निवेश लेना बंद कर दिया है। फंड हाउसों ने यह एहतियाती कदम इसलिए उठाया है ताकि नए निवेशक, जो बढ़ी हुई एनएवी का लाभ उठा सकते हैं, उनके प्रवेश से पुराने निवेशकों को मिलने वाले संभावित लाभ में कमी न आए। फिलहाल, दोनों फंड हाउस सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कर रहे हैं और बॉन्ड के सटीक मूल्यांकन को लेकर स्पष्टता का इंतजार है। मार्च 2020 में यस बैंक के पुनर्गठन के दौरान 8,415 करोड़ रुपये के इन एटी-1 बॉन्ड को बट्टे खाते में डाल दिया गया था, जिसे जनवरी 2023 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था।

महंगाई ने फीकी की त्योहारों की मिठास, मिठाइयां 15 फीसदी तक महंगी

चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस महंगी; ग्राहक और दुकानदार दोनों परेशान

नई दिल्ली ।

इस त्योहारी मौसम में मिठाइयों की मिठास पर महंगाई का साया गहरा गया है। चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस सहित प्रमुख सामग्रियों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण देश भर में मिठाइयों के दाम पिछले साल के मुकाबले औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जिससे ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। त्योहारों का उत्साह जहां एक ओर बाजारों में रौनक ला रहा है, वहीं दूसरी ओर मिठाइयों की बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा रही हैं। चीनी, दूध, मेवे और वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडर जैसे प्रमुख घटकों की लागत में अप्रत्याशित उछाल के कारण देश भर में मिठाइयों की कीमतें 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। उत्तर भारत की मावे वाली बर्फी से लेकर दक्षिण के लड्डू और कोलकाता के संदेश तक, हर लोकप्रिय मिठाई महंगी हुई है। मिठाई बनाने में सबसे अहम चीनी की कीमतें 3-4 महीने पहले के 44 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर अब 60 रुपये के पार पहुंच गई हैं। इसी तरह, गाय का दूध पिछले साल की तुलना में करीब 30 प्रतिशत महंगा होकर 42 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि असमान मॉनसूनी बारिश और पशु आहार की बढ़ती कीमतों के कारण दूध उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिससे इसकी कीमतें ऊंची बनी रहेंगी।

मेवे, काजू और मक्खन जैसी सामग्री भी औसतन 15 प्रतिशत तक महंगी हुई हैं, जिसका एक कारण पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ते कंटेनर भाड़े को बताया जा रहा है। इस बढ़ती लागत का असर मिठाई विक्रेताओं पर भी पड़ रहा है। उत्तरी कोलकाता में कुछ प्रतिष्ठान जैसे गिरीश चंद्र दे ऐंड नकुर चंद्र नंदी अभी भी लागत का बोझ खुद उठा रहे हैं, जबकि ओडिशा में मिठाइयों की खुदरा कीमतों में 25 से 30 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि दर्ज की गई है।

सप्ताह भर में सोना 4,500, चांदी 13,500 सस्ती हुई

विशेषज्ञ बोले- सीमित दायरे में रहेगा कारोबार, कच्चे तेल पर रहेगी नजर

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना और चांदी के भाव स्थिर रहे, जिससे उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद निवेशकों को हल्की राहत मिली। हालांकि, भारतीय रुपए की लगातार मजबूती ने बहुमूल्य धातुओं में किसी बड़े सुधार की गुंजाइश को सीमित कर दिया, जहां 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,49,900 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.15 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर टिकी रही। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब सप्ताह भर में सोने की कीमतों में 4,500 रुपए (तीन प्रतिशत) की बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि चांदी 13,500 रुपए (छह प्रतिशत) तक सस्ती हुई। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक धातुओं ने निचले स्तर से नुकसान की भरपाई करने का प्रयास किया, लेकिन रुपए की लगातार मजबूती ने इस सुधार को रोक दिया। रिजर्व बैंक के समर्थन से रुपया लगातार छठे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे चढ़कर 94.92 पर बंद हुआ, जिसका सीधा असर बहुमूल्य धातुओं पर दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.30 प्रतिशत बढ़कर 4,183.34 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा, जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 57.80 रुपए प्रति औंस पर थी, जो घरेलू बाजार की स्थिरता से अलग रुझान दर्शाती है। अनुमान के मुताबिक व्यापारियों के कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखे जाने के बीच सोने में हल्के तेजी के रुख के साथ एक सीमित दायरे में कारोबार की उम्मीद है। यह स्थिति निवेशकों को सतर्कता बरतने का संकेत दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

हांगकांग सिक्सेस 2026

क्रुणाल पंड्या होंगे भारत के कप्तान, भुवनेश्वर की जगह खेजरोलिया को मौका

नई दिल्ली । हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या करेंगे। पहले भारतीय टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करने वाले थे, लेकिन 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में उनके चयन के बाद क्रुणाल को यह जिम्मेदारी दी गई। भुवनेश्वर कुमार की जगह हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम में क्रुणाल पंड्या और कुलवंत खेजरोलिया के अलावा शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश



राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। साथ ही, टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिहाज से संतुलित और मजबूत है। क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा, 'हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में भुवनेश्वर कुमार को जरूर मिस करेंगे, लेकिन हमें उन्हें नेशनल टीम में बुलावा मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। चार साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी एक खास मील का पत्थर है, और हम भारत के न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी हर सफलता की कामना करते हैं। हम भविष्य में हांगकांग सिक्सेस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

रणजी ट्रॉफी

यशस्वी जायसवाल मुंबई की टीम से बाहर, अंगकृष रघुवंशी को मिली जगह

मुंबई । मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होने वाले अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मुंबई की टीम में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ बिलासपुर में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाले मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यशस्वी जायसवाल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे।



दरअसल, यशस्वी को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलना है। न्यूजीलैंड में 24 अक्टूबर से इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने वाली है और यशस्वी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा हैं।

मुंबई की टीम

सिद्धेश लाड (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, सूर्यांश शेडगे, दिव्यांश सक्सेना, सरफराज खान, मुशीर खान, सुवेद पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, अथर्व अंकोलेकर, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा और ओंकार तरमले।



न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे और टेस्ट टीम घोषित

वनडे में 2 अलग कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल को कमान सौंपी गई है, जबकि आखिरी दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे। शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे और श्रेयस अय्यर उनके डिप्टी (उप-कप्तान) होंगे। वहीं, आखिरी दो मैचों में बदलाव करते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को चौथे और पांचवें वनडे के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। इनके साथ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल और नमन धीर भी टीम में शामिल हैं। वहीं, नियमित विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल, तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ शुरुआती तीन वनडे मैचों में ही खेलेंगे। इसके बाद वे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रवाना होंगे।



अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा और तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया है।

वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव।

चौथे और पांचवें मैच के लिए भारत की वनडे टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर/उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

भारत की टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर)*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज।

यह कैसी तैयारी

वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह: 2023 के बाद खेले हैं सिर्फ दो वनडे मैच

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान हो चुका है। बुमराह की टेस्ट में तो वापसी हुई है लेकिन एक बार फिर उन्हें वनडे टीम में नहीं रखा गया है। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए बुमराह को पांच मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर उन्हें सिर्फ टेस्ट टीम में रखा गया है। बुमराह ने पिछले वनडे विश्व कप 2023 के बाद से अब तक सिर्फ दो एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। साल 2024 और 2025 में बुमराह ने एक वनडे मैच तक नहीं खेला। 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुमराह को टीम में रखा गया। दो वनडे मैच खेलने के बाद बुमराह चोटिल हो गए थे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेल सके थे। अब सवाल यह है कि अगर भारतीय टीम अगले साल साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है, तो बुमराह को ज्यादा से ज्यादा वनडे मैचों में खेलने का मौका क्यों नहीं मिल रहा है। बुमराह की फॉर्म पर किसी को कोई शक नहीं है। हालांकि, वनडे मैचों के हिसाब से बुमराह की फिटनेस और माइंडसेट को तैयार रखना जरूरी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई घरेलू वनडे सीरीज में भी बुमराह को टीम में नहीं रखा गया था और उन्हें एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने गई टीम के साथ भेजा गया था। इस पूरे टूर्नामेंट में बुमराह ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की, जो एक वनडे मैच के स्पेल से भी कम है। न्यूजीलैंड दौरे पर बुमराह को तेज गेंदबाजों के लिए मददगार कंडिशंस में आजमाने का अच्छा मौका था।



अगरकर के जाने के बाद भी मौका नहीं, क्या टीम इंडिया में वापसी के रास्ते शमी के लिए क्या अब बंद हो चुके हैं?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर से नजरअंदाज किया गया है। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान ओझा को अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बनाया गया था। प्रज्ञान ने अंतरिम मुख्य चयनकर्ता के रूप में न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए अपनी पहली टीम को मंजूरी दी। इस टीम में सबसे चौंकाने वाला नाम भुवनेश्वर कुमार का था। 36 साल के भुवनेश्वर कुमार की 4 साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई थी। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 के लिए भी इंजर्ड अर्शदीप की जगह टीम इंडिया में शामिल कर लिया गया है और वह संभवत: प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। भुवनेश्वर कुमार की वापसी ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी की उम्मीद जगाई थी। शमी 9 मार्च 2025 (चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल) के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हर फॉर्मेट खेला और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी फॉर्म और फिटनेस का सबूत दिया। वह अभी भी रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने शमी को हमेशा नजरअंदाज किया। इस दौरान भुवनेश्वर कुमार के साथ भी ऐसा ही हुआ। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद वह टीम इंडिया से बाहर रहे।



अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बने और उनकी पहली टीम में ही भुवनेश्वर कुमार थे। इसके बाद शमी का न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की संभावना बढ़ गई, खासकर जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में उनका चयन तय माना जाने लगा। लेकिन, शुक्रवार को जब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा हुई, तो शमी का नाम फिर नदारद था।

पहला टी20: डेब्यूटेंट निकी के साथ दीप्ति ने जुटाए 82 रन,

भारत ने जिम्बाब्वे को 4 विकेट से हराया

निकी प्रसाद को स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया

भारत के लिए युवा ऑलरआउंडर निकी प्रसाद इस मैच में डेब्यू किया। उन्हें मुकाबले से पहले कप्तान स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया। कैप मिलने के बाद साथी खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और अनुष्का शर्मा ने गले लगाकर उन्हें बधाई दी।





रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे को 4 विकेट से मात दी।

इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष दो मैच 18 और 20 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं, जिसके बाद तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज आयोजित होगी। रायपुर में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर सिर्फ 114 रन बनाए। इस टीम ने 7 के स्कोर पर बिलव्ड बिजा (0) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद केलिस नधलोवु ने मोडेस्टर मुपाचिकवा के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन जुटाकर मेहमान टीम को संभाला। मुपाचिकवा 16 रन बनाकर आउट हुईं।

इसके बाद शार्ने मेयर्स ने नधलोवु के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन, जबकि न्याशा ग्वानजुरा के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया।

उप-कप्तानी एक बड़ी जिम्मेदारी, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत निडर होकर खेलना चाहता है: शेफाली वर्मा

रायपुर। शेफाली वर्मा को हाल ही में भारतीय महिला टी20 क्रिकेट टीम की उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले शेफाली ने कहा कि भारतीय टीम के नेतृत्व समूह में उनकी भूमिका सिर्फ इस पद तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि टीम अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में निडर और समझदारी भरा टी20 क्रिकेट खेलने का लक्ष्य लेकर चल रही है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेगी। इसकी शुरुआत शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज से होगी। रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने वाले सीरीज के शुरुआती मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेफाली ने कहा, 'उप-कप्तानी की बात करें तो, मैंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी भी की है, इसलिए मेरे पास इसका अनुभव है। मुझे पता है कि उप-कप्तानी सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें हर एक खिलाड़ी का ख्याल रखना है और यह सुनिश्चित करना है कि वे मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार और सहज रहें। मैं बस यही कोशिश कर रही हूं कि हर खिलाड़ी सहज महसूस करे और कप्तान की मदद कर सकूं।'



उन्होंने महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर को देते हुए कहा, 'हरमन दी ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। आज महिला क्रिकेट जिस मुकाम पर है, वह पूरी तरह से हरमन दी की ही देन है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग

हरियाणा हरिकेंस ने पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स और अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को हराया

नोएडा । हरियाणा हरिकेंस ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स पर 2-1 से जीत के साथ की। वहीं, अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को 3-0 से हराया। हरियाणा ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-17 से जीता। पंजाब ने दूसरे सेट में हरियाणा को इसी स्कोर के साथ जवाब दिया। तीसरा सेट रोमांचक और निर्णायक था। हरियाणा हरिकेंस ने आखिरी सेट में नियंत्रण हासिल किया और 21-10 से जीत हासिल करते हुए मैच 2-1 से जीता। हरियाणा के लिए चिराग यादव प्लेयर ऑफ द मैच रहे।



जीत के बाद चिराग ने कहा, 'सुपर 6 स्टेज की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स एक मजबूत टीम है। उन्होंने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने गेम पर फोकस किया। हम जानते थे कि तीसरा सेट बहुत जरूरी है। हमने मिलकर काम किया। अपनी तेजी बनाए रखी और अपने प्लान को अच्छे से पूरा किया। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। आगे के मैचों में भी हम जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे।'

एक अन्य मैच में अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अयोध्या ने तमिल टाइटंस पर 21-14, 21-20, 21-19 से जीत दर्ज की।

'हम मैनचेस्टर सिटी को परेशान कर सकते हैं'

मुकाबले से पहले इप्सविच गोलकीपर वाल्टन का बयान

मैनचेस्टर । इप्सविच टाउन के गोलकीपर क्रिश्चियन वाल्टन का मानना है कि उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी को कड़ी टक्कर देने और उन्हें परेशान करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि एतिहाद स्टेडियम में खेले जाने वाले इस प्रीमियर लीग मुकाबले में इप्सविच पूरी आत्मविश्वास के साथ उतरेगा। इप्सविच ने टॉप लीग में अपनी वापसी की एक अच्छी शुरुआत की है, उसे लीग की शीर्ष टीम के खिलाफ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, वाल्टन ने कहा कि उनकी टीम इंग्लिश फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार है। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए वाल्टन ने कहा, 'हमें पूरा भरोसा है कि मैनचेस्टर सिटी का सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। हमें पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां जाना होगा। पूरी टीम खेलने के लिए बेताब है। जिसे भी चुना जाएगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहेगा। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक ऐसी चुनौती है, जिसमें आप खुद को परखना चाहते हैं। हम वहां जाकर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और मैन सिटी को परेशान कर सकते हैं।'



मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित तौर पर 114 बार उल्लंघन से जुड़े खुलासों के बाद जांच के दायरे में है। क्लब ने इन निष्कर्षों के खिलाफ अपील की है, लेकिन यह विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

हालांकि, पिछले सप्ताहांत एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ सिटी ने मैदान पर अपनी काबिलियत साबित की, जबकि उन्हें वहां दर्शकों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, बुधवार को चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मुकाबले में उन्हें अपने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

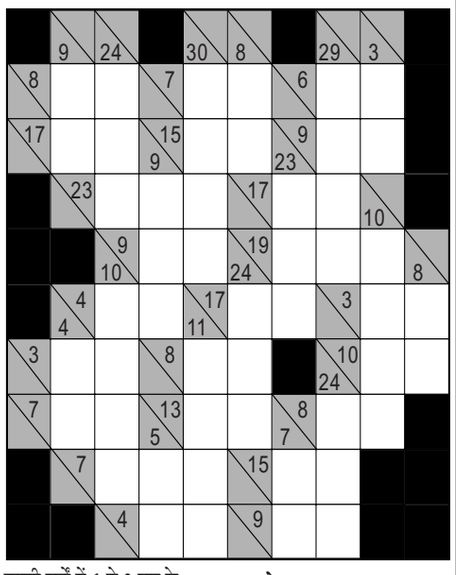
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

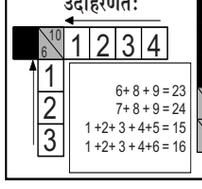
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली -4042



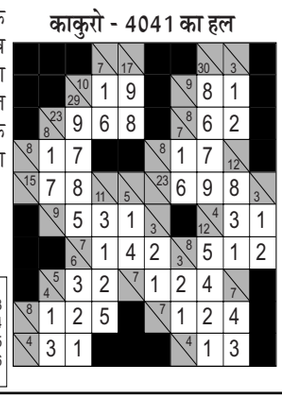
खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 4041 का हल



लॉफिंग ज़ोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

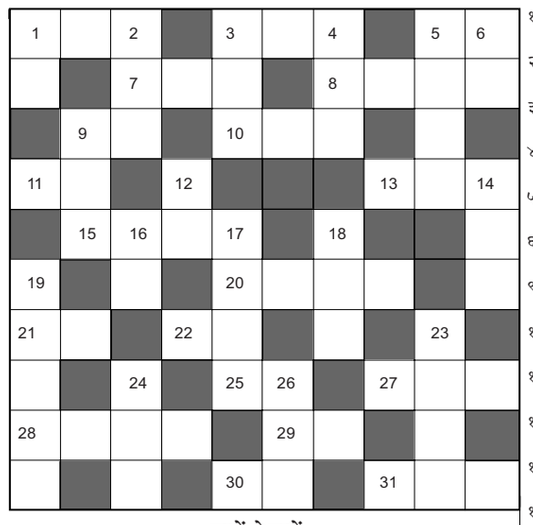
□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4042



बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4041

ए	ल	ओ	सी		जा	नी	दु	श्म	न
क		म		दि	ल		श्म		गी
रि	श्ते		फू	ल		अ	न	जा	ना
श्ता		शू		वा	स्त	व		नू	
	दि	ल	ज	ले		ता	रा		प्रि
	ल्ह		ख्म		आ	र	जू		य
सं	गी	त		खु	शी		चा	ह	त
ग		ला	वा		र्वा		चा		मा
म	हे	श		आ	द	मी		बू	
	मा		रं	ग		ना	ग	म	णि

सूडोकु -4042

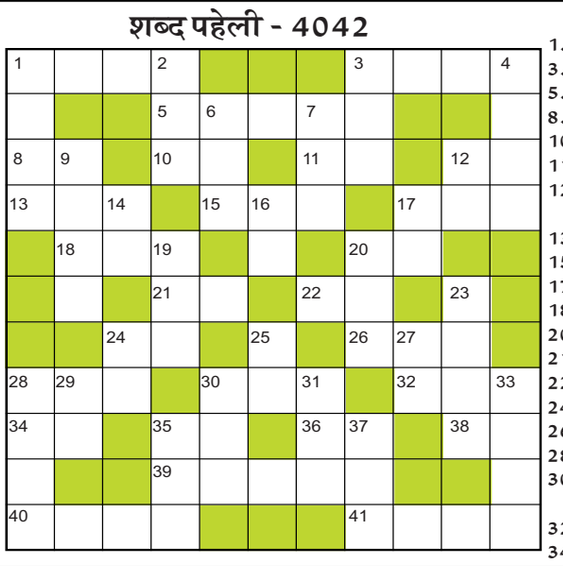
			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4041 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 4042



बाएँ से दाएँ

1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. दाड़म,एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. मां,आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक,कणिका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट,अभिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संधिपत्र,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ,तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -4041 का हल

	स	ला	म	त		म	हा	व	र	
का	म		ही	र		म	सि		थ	ल
फी		शा	न		बं		ल	ब		क्ष्य
		य		म	हा	न		र		
	फ	र	मा	न		र	स	खा	न	
का	की		ल				न		र	ति
	र	नि	वा	स		ह	म	द	म	
		य		र	ज	क		स्त		
जा		म	जा		हों		श	क		का
न	शा		य	म		पा	प		सा	या
	म	हा	का	ल			ल	थ	प	थ

अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिए आज से ही अपनाएं ये चीजें

"शारीरिक सेहत के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत जरूरी होता है। महिलाओं के लिए अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी इसलिए भी है, उनके साथ घर, ऑफिस और परिवार की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब जिम्मेदारी तिहरी है तो टेंशन भी तीन गुना होगा। अक्सर काम के चक्कर में वह अपने खान-पान के साथ समझौता कर लेती हैं। इसके कारण उन्हें डिप्रैशन, माइग्रेन और अन्य मेंटल प्रॉब्लम घेर लेती हैं।"

में टल हेल्थ को बनाए रखने के लिए महिलाओं को पोषक तत्वों युक्त डाइट की जरूरत होती है। इसलिए दिमागी प्रॉब्लम से बचने के लिए बैलेस और हैल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है। आज हम आपको खाने की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो कि औरतों के शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। इन सब चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर आप भी अपनी इमोशनल हेल्थ में निश्चित रूप से सुधार कर सकती हैं।



हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों में मौजूद आयरन, फोलिक एसिड, एंटीऑक्सीडेंट और ल्यूटिन आपको स्वस्थ रखते हैं। महिलाओं को अपनी डाइट में ज्यादा से ज्यादा हरी पत्तेदार और सीजनल सब्जियों को शामिल करना चाहिए।

नट्स

प्रोटीन, मिनरल और कैल्शियम से भरपूर नट्स का सेवन भी महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। बादाम में ट्राइपोफान नामक तत्व होता है, जो मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। वहीं, अखरोट, काजू जैसे अन्य नट्स दिल की सेहत के लिए बहुत जरूरी होते हैं।

अंजीरः एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर अंजीर में पानी 80 प्रतिशत, कैल्शियम 0.06 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 63 प्रतिशत, फाइबर 2.3 प्रतिशत, वसा 0.2 प्रतिशत, प्रोटीन 3.5 प्रतिशत, क्षार 0.7 प्रतिशत, सोडियम, पोटेशियम, तांबा, सल्फर और क्लोरिन पर्याप्त मात्रा में होते हैं। इससे न सिर्फ महिलाओं की हड्डियां स्ट्रांग होती है बल्कि यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

चुकंदरः ज्यादातार महिलाएं एनीमिक होती हैं और चुकंदर आयरन से भरपूर होता है। इसे खाने से पीरियड्स से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं और आपकी मेंटल हैल्थ भी अच्छी रहती है।

सलादः भोजन के साथ या खाने से पहले सलाद का सेवन जरूर करें। इससे महिलाएं ज्यादा खाने से बच सकती हैं, जिससे मोटापा कंट्रोल करने में मदद मिलेगी। मगर यह ध्यान रखें कि सलाद में खीरे, ककड़ी, टमाटर जैसे विटामिन्स वाले खाद्य-पदार्थ शामिल हो।

बेरीजः एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ब्लूबेरी को आप मूड बूस्टर फूड भी कह सकते हैं। अगर आपको किसी बात की टेंशन है तो आप इसका सेवन करें। आपकी स्ट्रेस और टेंशन मिनटों में दूर हो जाएगी।

तुलसीः एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों से भरपूर रोजाना तुलसी का सेवन महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप तुलसी की चाय या इसे दूध में मिलाकर भी पी सकती हैं।

डार्क चॉकलेटः डार्क चॉकलेट खाने से आपकी तनाव और मूड़ स्विंग की प्रॉब्लम दूर रहती है। एंटीऑक्सीडेंट गुण होने के कारण इसका सेवन सेहत के लिए भी अच्छा होता है।

हल्दीः हल्दी सबसे अच्छा इम्यूनिटी बूस्टर है और इसकी एंटीसेप्टिक और एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण यह महिलाओं को दिमागी प्रॉब्लम से भी बचाता है। इसके अलावा इससे आप ब्रैस्ट कैंसर जैसी बीमारी से भी बची रहती हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

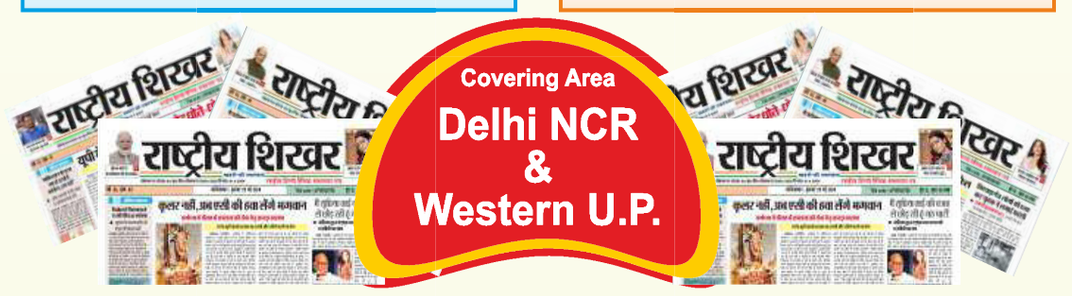
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words



Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



कटरीना कैफ की बॉडी शेमिंग पर भड़कीं सौंदर्या रजनीकांत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ हाल ही में मां बनने के बाद पहली बार एक बड़े इवेंट में नजर आईं थीं, जिसके बाद उन्हें लुक्स और वजन को लेकर काफी ट्रोल किया गया। अब इस ऑलनाइन ट्रोलिंग पर सलमान खान सहित कई सेलेब्स कटरीना के सपोर्ट में सामने आए हैं। इसी बीच सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी और फिल्ममेकर सौंदर्या रजनीकांत ने भी महिलाओं के शरीर में प्रेग्नेंसी के बाद होने वाले बदलावों को लेकर ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है।

कटरीना कैफ ने नवंबर 2025 में पति विक्की कौशल के साथ अपने बेटे विहान का स्वागत किया था। मां बनने के बाद से वह लाइमलाइट से काफी दूर थीं, लेकिन हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके लुक को लेकर तरह-तरह के कमेंट होने लगे। इसी मामले पर बात करते हुए सौंदर्या रजनीकांत ने कहा कि बच्चे को जन्म देने के बाद महिला के शरीर में बदलाव होना बिल्कुल सामान्य है और ऐसे समय में महिला को ट्रोल करने के बजाय उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

बातचीत के दौरान सौंदर्या रजनीकांत ने कटरीना की ट्रोलिंग का जिक्र करते हुए महिलाओं के लिए सम्मान की बात कही। उन्होंने कहा, 'मेरे दो बच्चे हैं और यह आसान नहीं है। जब आपको उस प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, तो आपका शरीर बदल जाता है और एक खास उम्र के बाद बच्चा होना और भी मुश्किल होता है। मेरा दूसरा बच्चा 35 साल की उम्र के बाद हुआ था। यह आसान नहीं है। आपको उस महिला को सम्मान देना चाहिए। क्योंकि जो एक महिला शारीरिक रूप से कर सकती है, उसके लिए आप पुरुषों को दोष नहीं दे सकते क्योंकि वे ऐसा नहीं कर सकते। यह बायोलॉजी का मामला है।'

हम पुरुष से नहीं पूछते कि तुम प्रेग्नेंट क्यों नहीं होते?

सौंदर्या ने आगे कहा कि महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर उन्हें जज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लेकिन आपको यह स्वीकार करना होगा कि एक महिला ऐसा करती है। हम पुरुष से यह नहीं पूछते कि तुम प्रेग्नेंट क्यों नहीं होते? लेकिन जब हम उस दौर से गुजरते हैं, तो मुझे बहुत बुरा लगा जब वह सब हुआ। यह सही नहीं था। यह अच्छा व्यवहार नहीं था। महिलाएं बहुत कुछ सहती हैं, लेकिन महिला होना खास बात है।'

सौंदर्या खुद दो बच्चों की मां हैं

सौंदर्या रजनीकांत खुद भी दो बच्चों की मां हैं, उन्होंने 2010 में बिजनेसमैन अश्विन से शादी की थी। 2015 में उनके बेटे वेद का जन्म हुआ। इसके बाद 2016 में दोनों अलग हो गए और 2017 में उनका तलाक हो गया। साल 2019 में सौंदर्या ने बिजनेसमैन विशागन से दूसरी शादी की। 2022 में दोनों बेटे वीर के माता-पिता बने।

सलमान खान भी कर चुके हैं कटरीना का सपोर्ट

कटरीना के वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग पर सलमान खान भी ट्रोलर्स को फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने सवाल किया था कि जब एक्ट्रेस हाल ही में मां बनी हैं, तो उनके वजन और लुक पर लोग कमेंट क्यों कर रहे हैं। सलमान ने कहा, 'प्रेग्नेंट होने के बाद हर किसी का वजन बढ़ता है।'

गणेश चतुर्थी पर पहली बार दिखीं कटरीना

कटरीना कैफ को हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में देखा गया था। मां बनने के बाद यह उनकी उन चुनिंदा पब्लिक अपीयरेंस में से एक थी, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। हालांकि, जहां कई फैंस ने कटरीना के लुक की तारीफ की, वहीं कुछ यूजर्स ने उनके बढ़े हुए वजन को लेकर कमेंट किए। कुछ लोगों ने उनकी प्रेग्नेंसी से पहले और बाद की तस्वीरों को शेयर करते हुए उनके लुक की तुलना भी की। सोशल मीडिया पर चल रही इस चर्चा पर अभी तक कटरीना कैफ या उनके पति विक्की कौशल की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, सौंदर्या रजनीकांत और सलमान खान जैसे सितारों के कटरीना के सपोर्ट में बोलने के बाद एक बार फिर बॉडी-शेमिंग और महिलाओं के शरीर को लेकर सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग का मुद्दा चर्चा में आ गया है।



सनी कौशल और विशाल जेठवा के साथ नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है।

बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेठवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। सीरीज का नाम अभी तय नहीं है।

हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले प्रभलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं'।

2020 में आई थी आखिरी वेब सीरीज

इस सीरीज के जरिए बिपाशा बसु अपनी बेटी देवी के जन्म के बाद लंबे ब्रेक के बाद एक्टिंग में वापसी कर रही हैं। मां बनने के बाद से अभिनेत्री ने अपनी बेटी की परवरिश पर ध्यान दिया और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। हालांकि, वे फैशन शो और विज्ञापनों में नजर आती रही हैं। मगर, फैंस अब उन्हें स्क्रीन पर एक्टिंग करते देख सकेंगे। अभिनय के मोर्चे पर बिपाशा को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में देखा गया था, जो 2020 में रिलीज हुई। सिनेमाघरों में उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'अलोन' थी। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी।



बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं

अभिनेत्री सम्वेदना सुवाल्का फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' (दृश्यम 3) में विजय सालगांवकर की वकील एडवोकेट गायत्री मोहन के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने दृश्यम टीम की तारीफ करते हुए कहा कि बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'फिल्म में सभी कलाकारों के साथ काम करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। फिल्म में इतने अच्छे कलाकार हैं कि जब हम उनके साथ खड़े होते हैं, तो हम और चमकने लगते हैं। मैं बस अपना काम कर रही थी और वे सभी मुझे उठा रहे थे।' अभिनेत्री से सवाल किया, 'आज, गुणवत्ता बनाम मात्रा के दबाव में, अभिनेताओं को अक्सर एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करना पड़ता है। क्या आप प्रोजेक्ट चुनते समय चयनात्मक हैं या आपको लगता है कि आपको कोई मौका नहीं छोड़ना चाहिए?' अभिनेत्री ने इस सवाल के जवाब में कहा, 'कुछ मामलों में मैं सिलेक्टिव हूं। अगर मुझे कोई अच्छा काम नहीं मिलता है, तो मैं सिर्फ फ्रेम में खड़े रहने के लिए काम नहीं करती हूं। अब जब मैंने इतना काम कर लिया है, तो मैं और भी अच्छे किरदार करना चाहूंगी लेकिन मैं अवसरों को नहीं छोड़ना चाहती हूं। मैं अब बहुत काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री संवेदना सुवालका आगामी फिल्म 'गुरु' में जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। जॉन अब्राहम के साथ अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'फिल्म गुरु में हम साथ काम कर रहे हैं, जिसे रिबु दासगुप्ता ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में जॉन हीरो वाली छवि दिखाने के बजाय अपनी बॉडी दिखा रहे हैं। मैं अभी-अभी काम से वापस आई हूं और मुझे बहुत मजा आया।'

अभिनेत्री से एक और सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि इंडस्ट्री उन कलाकारों का कम इस्तेमाल कर रही है जो नृत्य कर सकते हैं, एक्शन कर सकते हैं और अभिनय के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण भी ले चुके हैं?'

अभिनेत्री सम्वेदना सुवाल्का ने कहा, 'नहीं, मुझे लगता है कि वास्तव में कई अभिनेताओं को अलग-अलग तरीकों से पहचाना जाता है। कुछ एक्शन हीरो के रूप में जाने जाते हैं, कुछ कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं और कुछ ऑल-राउंडर के रूप में जाने जाते हैं। ऐसे में मैं ऐसा नहीं कहूंगी।

दुलकर सलमान ने ली 'आई एम गेम' के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी

दुलकर सलमान की फिल्म 'आई एम गेम' को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। 3 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं लेकिन इसका प्रदर्शन कमजोर रहा। अब दुलकर ने सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया दी है और बतौर प्रोड्यूसर इसकी जिम्मेदारी स्वीकार की है। दुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह इस बात की सराहना करते हैं कि लोगों ने फिल्म को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने आलोचनाओं को भी स्वीकार किया। साथ ही यह भी कहा कि वह लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।



इशिता की मां का रोल निभाने पर बोलीं श्रिया

अभिनेत्री श्रिया सरन इन दिनों 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की सफलता से खुश हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री ने नंदिनी सलगांवकर का किरदार निभाया है। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही श्रिया, इशिता दत्ता की मां के रोल में नजर आई हैं, जो उनसे 8 साल छोटी हैं। इशिता ने अंजू सलगांवकर का किरदार निभाया है। इस फिल्म का तीसरा पार्ट अभी सिनेमाघरों में चल रहा है। श्रिया ने इशिता की मां का रोल निभाने के बारे में बात की है।

उम्र पर क्या बोलीं श्रिया

बातचीत में श्रिया ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में इशिता की मां का रोल निभाने पर अपने विचार रखे। श्रिया सरन की उम्र 44 साल है। वहीं इशिता की उम्र 36 साल है। अभिनेत्री ने कहा, 'हां, मतलब, यह बात अजीब लगती है। मैंने इस बारे में सोचा भी था। मुझे लगा कि यह कैसे मेल खाता है? मगर कहानी इतनी असरदार है कि आप इन सब चीजों के बारे में सोचते ही नहीं हैं।'

श्रिया ने की मेकर्स की तारीफ

अभिनेत्री ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में बांध दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की कि उन्होंने उम्र के अंतर को सही ढंग से दिखाया है। श्रिया ने बताया कि फ्रेंचाइजी में इशिता का किरदार 'अंजू' एक गोद ली हुई बच्ची का है। फिल्म में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। बातचीत के दौरान उन्होंने इशिता के साथ काम करने और उनके साथ अपने निजी रिश्ते में आए बदलाव के बारे में भी बात की।

इशिता के बारे में श्रेया ने क्या कहा

उन्होंने कहा, 'जब हमने 'दृश्यम' पर काम शुरू किया, तो हम दोनों सचमुच बच्चे ही थे! जब तक हमने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की, तब तक उसकी शादी हो चुकी थी। मुझे याद है कि हम जिंदगी के बारे में बातें करते थे। तीसरी फिल्म तक, हम बच्चों के बारे में बातें कर रहे थे।' उन्होंने अपनी को-स्टार को एक 'बेहतरीन मां' भी बताया।





जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनके खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की अटकलें तेज हो गई हैं। इस पोस्ट में जान्हवी मेकअप के साथ एक्सपेरिमेंट करती नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके हाथों में कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी दिखाई दे रहे हैं, जिनके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। जान्हवी की इस पोस्ट ने फैंस और ब्यूटी लवर्स का ध्यान खींचा है। कई लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या एक्ट्रेस अपना खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि, अभी तक जान्हवी या उनकी टीम की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन पोस्ट में जिस तरह से ब्यूटी प्रोडक्ट्स और मेकअप पर फोकस किया गया है, उसने इन अटकलों को और हवा दे दी है। दिलचस्प बात यह है कि यह चर्चा ऐसे समय में शुरू हुई है, जब जान्हवी कपूर हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपनी मौजूदगी को लेकर सुर्खियों में थीं। ग्लोबल फैशन मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर फैशन और ब्यूटी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने तक, जान्हवी लगातार सिनेमा से आगे अपनी मौजूदगी मजबूत कर रही हैं। अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।



विकास बहल की अगली फिल्म में दिखेंगे जिमी, मोना-सिद्धांत

जिमी शेरगिल, सिद्धांत चतुर्वेदी, मोना सिंह और अलिजेह अग्निहोत्री स्टारर विकास बहल की अगली फिल्म 1990 के दशक के ब्रिटेन में पंजाबी म्यूजिक के तेजी से उभरने की कहानी पर आधारित होगी।

ये फिल्म उस दौर को दिखाएगी, जब ब्रिटेन में रह रहे भारतीय मूल के युवाओं की एक पूरी पीढ़ी संगीत के जरिए अपनी पहचान और अपनी आवाज तलाश रही थी। फिल्म की कहानी 1990 के दशक की शुरुआत में ब्रिटेन में सेट है। उस दौर में गैरेज, बैकरूम, पायरेट रेडियो स्टेशनों और अंडरग्राउंड गिग्स से पंजाबी म्यूजिक का एक नया आंदोलन आकार ले रहा था। पंजाबी ढोल और वेस्टर्न बेसलाइन के मेल से तैयार इस नई आवाज ने धीरे-धीरे म्यूजिक चार्ट्स तक जगह बनाई थी। यह सिर्फ म्यूजिक इंडस्ट्री के उभार की कहानी नहीं, बल्कि अलग संस्कृतियों के बीच बड़े हो रहे युवाओं की भी कहानी है।

संक्षिप्त समाचार

यहूदियों को गोली मारना चाहता हूं, हमास के पूर्व चीफ के 10 साल के बेटे की चिट्ठी आई सामने



तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्ब्स ने हमास के दिवंगत प्रमुख याह्या सिनवार के 10 साल के बेटे इब्राहिम का एक कथित लेटर साझा किया है, जिसने सनसनी फैला दी है। यह पत्र गाजा पट्टी में 2024 के दौरान इजरायली सैनिकों की तरफ से बरामद किया गया था। याह्या सिनवार के खात्मे के दो साल पूरे होने पर इसे सबूत के तौर पर जारी किया गया है। बता दें कि यह पत्र बच्चे ने अपने पिता याह्या सिनवार को युद्ध की शुरुआत में लिखा था। इसमें एक तरफ जहां पिता के लिए प्यार और जुदाई का दर्द झलकता है, वहीं दूसरी तरफ हिंसा और नफरत की बातें भी साफ नजर आती हैं। गौर करने वाली बात यह है कि लेटर में 10 साल के बच्चे ने लिखा है कि वह लगातार कागज और गत्ते से पिस्तौल, टैंक और राइफल बना रहा है। उसने लिखा है कि वह एक एके-47 कलाश्निकोव राइफल उठाकर यहूदियों पर गोली चलाना चाहता है। पत्र के अंत में बच्चे ने लिखा है, हे मेरे भगवान, मैं कामना करता हूं कि युद्ध समाप्त हो जाए और मैं आपको सुरक्षित देख सकूं। अल्लाह आपकी रक्षा करे, पिता जी। मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए दुआ करें। इसके साथ ही उसने पिता के गले मिलने और साथ सोने की इच्छा भी जताई है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर भारत की दो टूक, यूएन में कहा- तुरंत रुकें जहाजों पर हमले



संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा के दौरान भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। भारत ने इस क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव को बेहद चिंताजनक करार देते हुए नागरिक बुनियादी ढांचों, कमर्शियल शिपिंग और खासकर भारतीय नाविकों पर हो रहे लगातार हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने गुरुवार को सुरक्षा परिषद की बहस में साफ कहा कि पश्चिम एशिया की सुरक्षा और स्थिरता भारत के लिए बेहद मायने रखती है। बहस के दौरान भारत का पक्ष रख रहे पार्वथानेनी ने रियाद और अन्य जगहों पर सऊदी अरब के नागरिक बुनियादी ढांचे और एयरपोर्ट्स पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ये हालात बहुत चिंताजनक हैं, नागरिक बुनियादी ढांचे और जहाजों पर हमले तुरंत रुकने चाहिए। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक मोहम्मद युसुफ अली की जान चली गई थी। भारत ने सऊदी अरब की संप्रभुता और उसकी सुरक्षा के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की है।

रूस के कामचटका में लगे भूकंप के तेज झटके, जमीन से 152 किमी नीचे रहा केंद्र

मॉस्को, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्व में स्थित कामचाटका प्रायद्वीप इलाके में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र जमीन से काफी नीचे यानी 152 किलोमीटर लगभग 94 मील की गहराई पर स्थित था। बता दें कि इतनी अधिक गहराई पर भूकंप आने के कारण अक्सर धरती की सतह पर होने वाले नुकसान का खतरा थोड़ा कम हो जाता है, फिर भी इतने बड़े झटकों से इलाके में हड़कंप मच गया। राहत की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी, सलाह या खतरा नहीं है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 9:05 बजे आया। इसका केंद्र धरती से लगभग 152 किलोमीटर की गहराई में उत्तरी अक्षांश 52.068ए और पूर्वी देशांतर 157.164ए पर स्थित था। अलग-अलग एजेंसियों के अलग-अलग आंकड़े बता दें कि अलग-अलग वैश्विक निगरानी एजेंसियों के आंकड़ों में गहराई और तीव्रता में हल्का अंतर देखा गया।

सऊदी अरब में उड़ानों पर संकट; भारत ने उमरा यात्रियों की मदद के लिए मक्का में भी खोला कंट्रोल रूम, कहा-स्थिति जांचे बिना एयरपोर्ट न जाएं



दुबई, एजेंसी। भारत और सऊदी अरब के बीच उड़ानें प्रभावित होने के कारण वहां फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से उमरा यात्रियों की मदद के लिए भारत ने मक्का में एक अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब में असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए कई घातक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वाणिज्य दूतावास ने बुधवार को बताया कि नया नियंत्रण कक्ष मक्का स्थित भारतीय हज यात्री कार्यालय में स्थापित किया गया है और जेद्दा में पहले से मौजूद चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष भी अपनी सेवाएं जारी रखेगा।

इससे पहले मंगलवार को वाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से जेद्दा और मदीना आने-जाने वाले उमरा यात्रियों को सलाह दी थी कि वे अपनी विमानन कंपनियों के नियमित संपर्क में रहें और हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर पता कर लें। उमरा इस्लाम की एक धार्मिक परंपरा है, जिसे साल में किसी भी समय किया जा सकता है, जबकि हज यात्रा साल में एक निश्चित समय पर होती है। उमरा के लिए श्रद्धालु सऊदी अरब के मक्का जाते हैं, जो इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मदद की जरूरत होने पर भारतीय नागरिक मक्का स्थित नियंत्रण कक्ष से फोन के जरिए संपर्क कर सकते हैं। यात्रियों को उड़ानें रद्द होने, उनके समय में बदलाव, यात्रा के वैकल्पिक इंतजाम और जरूरत पड़ने पर ठहरने की व्यवस्था के लिए ट्रैवल एजेंट, टूर ऑपरेटर और उमरा सेवाएं देने वाली एजेंसियों के संपर्क में रहने की भी सलाह दी गई है।

वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद के लिए विमानन कंपनियों और स्थानीय अधिकारियों के नियमित संपर्क में है। उड़ानों के संचालन से जुड़ी नयी जानकारी दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर साझा की जाएगी। वाणिज्य दूतावास ने प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए जेद्दा में भी चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों को स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने, हवाई हमला होने की स्थिति में घरों के अंदर रहने और मौजूदा घटनाक्रम से जुड़े वीडियो या खबरें प्रसारित करने से बचने की बुधवार को सलाह दी। दूतावास ने बुधवार को बताया कि रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन बंद है, जबकि दम्माम, जेद्दा और मदीना से उड़ानें कुछ बाधाओं के साथ जारी हैं। दूतावास के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियों एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एअर और इंडिगो ने 17 अक्टूबर तक सऊदी अरब से आने-जाने वाली अपनी उड़ानें स्थगित कर दी हैं। वहीं, सऊदी अरब की विमानन कंपनियां सऊदिया और फ्लाइनास अपनी कुछ निर्धारित उड़ानों का संचालन कर रही हैं।

कैप्टन मच्छार पर हमले के बाद इजराइल सख्त; पाकिस्तानी पायलटों पर लगाया प्रतिबंध, हवाई क्षेत्र से गुजरने वाले विमानों में भी नहीं कर सकेंगे ड्यूटी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी पायलटों और चालक दल के सदस्यों को नये प्रतिबंधों के तहत इजराइल के हवाई क्षेत्र से गुजरने वाले विमानों में सेवाएं देने से रोक दिया गया है। पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात से इजराइल जा रहे एक विमान का अपहरण करने की कोशिश की गई थी। इस कथित साजिश को नाकाम करने के दौरान भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार घायल हो गये थे। इजराइल के सरकारी प्रसारक कान की खबर के अनुसार विमान अपहरण की कोशिश के बाद परिवहन मंत्रालय के विमानन सुरक्षा संचालन केंद्र ने नये और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। इजराइल के प्रसारक एन12 की खबर के अनुसार मंत्रालय ने एक अक्टूबर को विदेशी विमानन कंपनियों को इन प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया था। गत 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 के कॉकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। विमान का सह-पायलट विमान को कथित तौर पर गिराने की कोशिश कर रहा था, लेकिन विमान के भारतीय कैप्टन मच्छार ने बहादुरी से मुकाबला करते हुए उसके प्रयास को विफल कर दिया था। चाकू से किए गए हमले में मच्छार घायल हो गये थे, लेकिन वह 174 यात्रियों को ले जा रहे विमान को बचाने में सफल रहे थे। नये दिशा-निर्देश के अनुसार, इजराइल के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले विमानों के पायलटों और चालक दल के सदस्यों के पास ऐसे देशों की नागरिकता या दोहरी नागरिकता नहीं होनी चाहिए, जिनके इजराइल के साथ आधिकारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं।

कैंसर का पता चलने पर जीवनभर की सेविंग खर्च कर तुरंत घूमने निकली महिला... एक महीने बाद जब चेकअप करवाया तो सिकुड़ा मिला ट्यूमर

युन्नान , एजेंसी। कैंसर की खबर मिलने के बाद 67 वर्षीय वांग यिंग इलाज कराने की बजाय एक महीने के लिए घूमने निकल गई और जब घर लौटी तो उसका ट्यूमर सिकुड़ा हुआ मिला। यह हैरान कर देने वाला मामला चीन का है जहां, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का पता चलने के बाद लोग हताश हो जाते हैं, वहीं वांग ने अपने जीवन के सबसे बड़े सपने को पूरा करने की राह चुनी। इलाज और सर्जरी से ठीक पहले उन्होंने अंटार्कटिका जाकर पेंगुइन की तस्वीरें खींचने का फैसला किया, और इस एक यात्रा ने उनकी जिंदगी में एक नया मोड़ ला दिया।

बचपन के सपने को पूरा किया और कैंसर को दी मात : चीन के युन्नान प्रांत की रहने वाली वांग यिंग एक स्कूल में प्रशासनिक पद पर कार्यरत थीं। साल 2013 में जब वह अपने रिटायरमेंट की योजना बना रही थीं, तभी एक रूटीन जांच के दौरान उन्हें थायरॉइड कैंसर का पता चला। डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत सर्जरी कराने का सुझाव दिया। वांग को बचपन से ही पक्षियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी का बेहद शौक था। वह अपने जीवन में 1,200 से अधिक दुर्लभ पक्षी प्रजातियों की तस्वीरें ले चुकी थीं। बीमारी की खबर सुनने के बाद उन्होंने तय किया कि अगर जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है, तो क्यों न अंटार्कटिका जाकर पेंगुइन को देखने और कैमरे में कैद करने का अपना पुराना सपना पहले पूरा किया जाए।

माइनस 10 डिग्री तापमान में लुटा दी जीवनभर की सेविंग : अंटार्कटिका की लगभग एक महीने की इस यात्रा पर करीब 1.5 लाख चीनी युआन (लगभग 22,000 डॉलर) का खर्च आना था। यह रकम उनकी पूरी बचत से भी अधिक थी, ऐसे में उनकी मां ने उनका सहयोग किया और बाकी पैसे दिए। अंटार्कटिका की विषम परिस्थितियों- माइनस 10 डिग्री सेल्सियस तापमान, हाड़ कंपा देने वाली बर्फीली हवाओं और बर्फबारी- के बावजूद वांग का इरादा नहीं डगमगाया। उनका मुख्य लक्ष्य एक मां पेंगुइन को अपने चूजे को खाना खिलाते हुए फोटो खींचना था। घंटों की कड़ी मेहनत और धैर्य के बाद आखिरकार उन्होंने वह यादगार पल अपने कैमरे में कैद कर ही लिया।

मेडिकल जांच में सामने आया हैरान करने वाला रिजल्ट अंटार्कटिका के इस अद्भुत सफर से लौटने के बाद वांग जब अस्पताल में अपने फॉलो-अप चेकअप के लिए गईं, तो डॉक्टरों की रिपोर्ट देखकर सब हैरान रह गए। जांच में पाया गया कि एक महीने पहले के मुकाबले उनका ट्यूमर अब पहले से छोटा हो गया था। डॉक्टरों ने स्थिति को देखते हुए फिलहाल तुरंत सर्जरी करने से मना कर दिया और उन्हें रेगुलर मॉनिटरिंग में रहने की सलाह दी। इस खबर ने वांग को एक नया जीवन और राहत दी। वांग यिंग अब तक दुनिया के 30 से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी हैं।

राफेल के सामने फिसड्डी हैं चीन के जे-16 लड़ाकू विमान, मिस्र में हवाई युद्धाभ्यास ने खोली पावर पोल

बीजिंग एजेंसी। चीन के जे-16 और फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के बीच मिस्र में हुए हवाई युद्धाभ्यास ने दोनों विमानों की क्षमताओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

अगस्त के दूसरे पखवाड़े से सितंबर 2026 की शुरुआत तक चले 'ईगल्स ऑफ सिविलाइजेशन 2026' अभ्यास में पहली बार चीनी जे-16 विमानों ने मिस्र के राफेल और मिग-29एम2 विमानों के साथ हवाई युद्ध की परिस्थितियों में प्रशिक्षण लिया। चीनी रक्षा मंत्रालय ने 23 अगस्त के अभ्यास का वीडियो भी जारी किया था, जिसमें जे-16 और राफेल के बीच मध्यम तथा नजदीकी दूरी के हवाई युद्धाभ्यास का उल्लेख किया गया। बाद में कुछ रक्षा समाचार माध्यमों ने दावा किया कि करीबी मुकाबले में राफेल की फुर्ती चीनी पायलटों के लिए विशेष रूप से प्रभावशाली रही। फ्रांस की कंपनी दसॉ द्वारा निर्मित राफेल दो इंजन वाला बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। इसकी खासियत केवल गति या हथियारों की क्षमता नहीं, बल्कि उड़ान के दौरान नियंत्रण, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और अलग-अलग प्रकार के अभियानों को अंजाम देने की क्षमता भी है। इसके पंखों और आगे लगे छोटे पंखों का संयोजन विमान को हवा में नियंत्रण और दिशा बदलने में मदद करता है। डिजिटल उड़ान नियंत्रणः इसकी कंप्यूटर आधारित प्रणाली पायलट को जटिल उड़ान परिस्थितियों में विमान पर नियंत्रण रखने में सहायता देती है।

मेटेओर मिसाइल: यह दृश्य सीमा से बाहर हवा से हवा में हमला करने के लिए विकसित मिसाइल है, जो दूर हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध राफेल की क्षमता बढ़ाती है।

स्पेक्ट्रा प्रणाली: यह रडार और अन्य खतरों की पहचान, इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा तथा जवाबी कार्रवाई में सहायता करती है। चीन का शेनयांग जे-16 दो इंजन वाला भारी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। यह लंबी दूरी के अभियानों, विभिन्न प्रकार के हथियार ले जाने और आधुनिक सेंसरों के इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। इसकी प्रमुख क्षमताओं में शामिल हैं।

भारतीय मूल के पति की हैवानियत, सहकर्मी को डेट करने पर पत्नी का गला रेता; भारत भागने की फिराक में था आरोपी



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो से एक बेहद खौफनाक मामला सामने आया है। यहां भारतीय मूल के एक 31 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी 32 वर्षीय अलग रह रही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की वजह यह थी कि महिला ने अपने एक पूर्व सहकर्मी के साथ रिश्ते में होने की बात कही और उसके साथ दोबारा साथ रहने से साफ इनकार कर दिया था। आरोपी की पहचान भारतीय मूल के अंकुर पटेल के रूप में हुई है। उसकी पत्नी की एक बेटी है। दोनों आपसी अनबन के बाद इसी साल मई में अलग हो गए थे और महिला घर छोड़कर चली गई थी।

परिवार के दबाव के बाद वापस लौटी महिला : मिली जानकारी के अनुसार, परिवार के दबाव में वह कुछ समय के लिए वापस लौटी, लेकिन फिर से अलग होकर लुइसियाना चली गई और एक अन्य व्यक्ति को डेट करने लगी। इस दौरान उसने अपनी बेटी को अंकुर के पास ही रहने दिया था। महिला के अलग होने के बाद अंकुर उसे और उसके नए पार्टनर को जान से मारने की धमकी देने लगा था। वह पत्नी को उसकी बेटी से भी बात नहीं करने देता था, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। घटना से करीब दो हफ्ते पहले अंकुर शिकागो में अपने रिश्तेदारों के पास रहने चला गया और बिना बताए अपनी बेटी को भारत अपने माता-पिता के पास भेज दिया।

शिकागो बुलाकर दिया खौफनाक घटना को अंजाम : मीडिया रिपोर्टस की माने तो अंकुर ने अपनी पत्नी को बेटी से मिलाने के बहाने शिकागो बुलाया। अपनी बेटी के भारत भेजे जाने से अनजान महिला अपने नए पार्टनर के साथ शिकागो पहुंची। उसका पार्टनर बाहर गाड़ी में ही इंतजार कर रहा था, जबकि महिला अंकुर के अपार्टमेंट में चली गई।

जब घर पहुंचने पर महिला को पता चला कि उसकी बेटी वहां नहीं है, तो उसने अंकुर के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि वह अपने नए पार्टनर के साथ ही रहेगी। इसी बात से आग बबूला होकर अंकुर ने रसोई के चाकू से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ कई वार किए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर कई घाव पाए गए हैं।

पुलिस पर लापरवाही के आरोप

बता दें कि बाहर इंतजार कर रहे महिला के पार्टनर ने जब उसे बार-बार मैसेज किए और कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची भी, लेकिन पार्टनर यह नहीं बता पाया कि महिला किस अपार्टमेंट में गई थी, इसलिए पुलिस वापस लौट गई। ऐसे में यह राज तब खुला जब अंकुर के दोस्त उससे मिलने उसके अपार्टमेंट पहुंचे, क्योंकि वह तय समय पर उनसे नहीं मिला था। दोस्तों ने देखा कि घर के अंदर वाशिंग मशीन के पास महिला का शव पड़ा था और अंकुर वहां से गायब था। भारत भागने की फिराक में था अंकुर गौरतलब है कि हत्या के तुरंत बाद अंकुर शिकागो के ओहेयर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा ताकि भारत भाग सके, लेकिन काउंटर बंद होने के कारण वह टिकट नहीं खरीद पाया। इसके बाद उसने एक होटल में कमरा लिया, हत्या में इस्तेमाल हथियार को ठिकाने लगाया और एक टार्गेट स्टोर से नए कपड़े खरीदे।

इंटरनेट सनसनी जैकी की मौत के कारण का खुला राज, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई बर्ड फ्लू की पुष्टि

वाशिंगटन , एजेंसी। कैलिफोर्निया में वन्यजीव प्रेमियों और इंटरनेट की दुनिया की मशहूर गिद्ध प्रजाति का बाज जैकी की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई थी। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फिश एंड वाइल्डलाइफ ने हाल ही में इसकी पुष्टि करते हुए एक प्रेस रिलीज जारी की है।

बता दें कि जैकी की मौत पिछले साल अगस्त में हुई थी। सैन डिएगो जू वाइल्डलाइफ अलायंस में हुए पोस्टमार्टम और अन्य मेडिकल जांच में पता चला कि उसकी मौत का मुख्य कारण अत्यधिक संक्रामक बर्ड फ्लू (एचपीएआई) था। पूरी रिपोर्ट में क्या-क्या बातें सामने आई? ओजाई रैप्टर सेंटर के निदेशक क्रिस एक्स्टीन ने बताया कि इस रिपोर्ट से जैकी के इलाज के दौरान सामने आए लक्षणों को समझने में मदद मिली है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह इस



वायरस का एक दुर्लभ मामला था, जिसके कारण उसके पेट में गंभीर अल्सर हो गए थे। इससे लगातार अंदरूनी ब्लीडिंग, एनीमिया (खून की कमी) और अंत में बैक्टीरियल सेप्सिस (संक्रमण) फैल गया था। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जैकी के अवशेषों का अंतिम संस्कार (क्रेमेटेड) कर दिया गया है। कैमरे के जरिए दुनिया भर में थी लोकप्रिय जैकी और उसका साथी पिछले एक दशक से अधिक समय से इंटरनेट सेंसेशन बने हुए थे। लॉस एंजिलिस के पूर्व में सैन बर्नार्डिनो पहाड़ों में बिग बीयर झील के पास पेड़ों पर बने उनके घोंसले को देखने के लिए लाखों लोग ऑनलाइन वीडियो फीड का इस्तेमाल करते थे। फ्रेंड्स ऑफ बिग बीयर वैली नामक गैर-लाभकारी संस्था ने 2015 में इस घोंसले में कैमरा लगाया था, जिसके जरिए हर साल उनके प्रजनन के मौसम और उनके संघर्षों को दुनिया भर के लोगों ने लाइव देखा था। राहत की बात यह है कि अधिकारियों के मुताबिक, शैडो के बीमार होने का कोई सबूत नहीं मिला है।

बाल्ड ईगल के इतिहास से जुड़ा अहम पहलू भी समझिए : गौरतलब है कि अमेरिकी बाल्ड ईगल कभी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गए थे, लेकिन 1970 के दशक में खतरनाक कीटनाशक डीडीटी पर प्रतिबंध लगने और कड़े संरक्षण उपायों के बाद इनकी संख्या में सुधार हुआ था। इसके बाद इन्हें संघीय लुप्तप्राय सूची से हटा दिया गया था। जैकी इसी प्रजाति के पुनरुद्धार का एक बड़ा प्रतीक बन चुकी थी, जिसकी अचानक हुई इस विदाई से वन्यजीव प्रेमियों में गहरा शोक है।

मक्का की मस्जिद के अंदर कर रहे थे गलत काम, सऊदी ने 2 बांग्लादेशियों को दी फांसी



मक्का, एजेंसी। सऊदी अरब ने मक्का की एक मस्जिद के अंदर अनैतिक कृत्य करने के दोषी दो बांग्लादेशी नागरिकों को फांसी दे दी है। बांग्लादेश के द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जेद्दा में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि उन्हें इन फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना नहीं दी गई थी।

बुधवार को सऊदी अरब के गृह मंत्रालय द्वारा जारी और सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी द्वारा प्रकाशित एक बयान के अनुसार, ये मौत की सजा मक्का क्षेत्र में दी गई। जेद्दा में बांग्लादेश के महावाणिज्य दूतावास ने इस मामले की औपचारिक स्वीकृति के लिए सऊदी अधिकारियों से संपर्क किया है।

बांग्लादेश के अधिकारियों ने क्या कहा : मिशन के एक अधिकारी ने गुरुवार को द डेली स्टार को व्हाट्सएप संदेश में बताया, ÷मंत्रालय ने वाणिज्य दूतावास को पहले से सूचित नहीं किया था।÷ अधिकारी ने आगे कहा, ÷इस संबंध में हमने सऊदी विदेश मंत्रालय को एक औपचारिक पत्र सौंपा है, जिसमें इस मामले की औपचारिक स्वीकृति का अनुरोध किया गया है। सऊदी गृह मंत्रालय ने बताया कि जिन लोगों को फांसी दी गई, उनकी पहचान नजरुल इस्लाम अब्दुल बशीर और सिती अख्तर के रूप में हुई है। मंत्रालय के अनुसार, सऊदी सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद जांच के आधार पर उन पर आरोप तय किए गए। इसके बाद उनका मामला एक सक्षम अदालत में भेज दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि अदालत ने आरोपों को सही पाया और दोनों व्यक्तियों को मौत की सजा सुनाई।

क्यों दी गई मौत की सजा : ये मौत की सजाएं ताजीर के तहत दी गई थीं, जो इस्लामी कानून के अंतर्गत एक तरह की विवेकाधीन सजा है। मंत्रालय ने इस सजा को सही ठहराने के लिए अपराध की गंभीरता और समय तथा स्थान की पवित्रता के उल्लंघन का हवाला दिया। बयान में कहा गया है कि संबंधित प्राधिकरण ने फैसले को बरकरार रखा, जिससे यह अंतिम हो गया। इसके बाद फांसी देने के लिए एक शाही आदेश जारी किया गया। हालांकि, सऊदी अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि उन दो लोगों ने मस्जिद के अंदर असल में क्या किया था। बयान में न तो मस्जिद का नाम बताया गया है।

नशे की हालत में लंदन की सड़क पर बेहोश मिलीं यूएई के शाही परिवार की महिला, पास में नंगे पैर खेल रहा था 3 साल का बच्चा

लंदन, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के शाही परिवार से जुड़ी एक महिला का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शाही परिवार की 32 वर्षीय महराह अल नाहयान लंदन की एक व्यस्त सड़क पर कोकीन के अत्यधिक सेवन के बाद बेहोश पाई गईं। उनके पास ही उनका तीन साल का मासूम बच्चा नंगे पैर तेज ट्रैफिक के बिल्कुल पास खेलता हुआ देखा गया।

बता दें कि यह घटना 13 जून की है। पश्चिम लंदन की सड़क पर महराह अल नाहयान को अचेत अवस्था में देखकर राहगीरों ने तुरंत मदद के लिए कदम बढ़ाया। बच्चा सड़क पर बिना जूतों के एक स्कूटर के साथ खेल रहा था और ट्रैफिक बहुत पास से गुजर रहा था, जिसे देखकर वहां मौजूद लोगों ने बच्चे को सुरक्षित संभाला और पुलिस को सूचना दी। आधे घंटे तक पूरी तरह अचेत रहीं नाहयान

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्रग्स लेने के बाद वह करीब आधे घंटे तक पूरी तरह अचेत रहीं। जब उन्हें होश में लाया गया, तो उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों से कथित तौर पर कहा कि यह कोई कत्लखाना नहीं है.... तुम लोग इतनी परवाह क्यों कर रहे हो? तुम इतने चिंतित क्यों हो?

तलाशी और अस्पताल में भर्ती : मिली जानकारी के अनुसार, मौके पर पहुंची पुलिस और अधिकारियों ने जब उनकी



तलाशी ली, तो उनके पास से ड्रग्स लेने का सामान तो बरामद हुआ, लेकिन कोई सीधा अवैध ड्रग नहीं मिला। इस घटना के बाद उन्हें सरे स्थित प्रसिद्ध प्रायरी क्लिनिक के वोकिंग सेंटर में नशा मुक्ति के लिए भर्ती कराया गया था।

अदालत में कबूल किया जुर्म : गौरतलब है कि साउथवार्क क्राउन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान, महराह अल नाहयान ने बच्चे की उपेक्षा के आरोप को स्वीकार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, उन्हें हर महीने 8000 पाउंड का भत्ता मिलता है। हालांकि अभियोजक रियो पहलवानपोर ने अदालत को बताया कि राहगीरों ने देखा कि बच्चा अकेला और बिना जूतों के सड़क पर था और तेज ट्रैफिक के बेहद करीब होने के कारण लोगों को बीच-बचराव करना पड़ा।

बचाव पक्ष का क्या कहना है : दूसरी ओर बचाव पक्ष के वकील स्टीफन वुल्फो केसी ने अदालत में दलील दी कि उनकी मुवक्किल ने मान लिया है कि उस दिन उनसे बहुत बड़ी भूल हुई थी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिस दिन वह बेहोश पाई गई, उस दिन उन्होंने कोई ड्रग नहीं लिया था, बल्कि पिछले कुछ दिनों में किए गए नशा सेवन के कारण वह अत्यधिक थकान की स्थिति में थीं।

कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया : वकील ने कहा कि उन्हें अपनी इस गलती पर गहरा पछतावा है और वे अपनी इस लत से पूरी तरह बाहर आना चाहती हैं। उनका तीन महीने का रिहैब प्रोग्राम इसी महीने के अंत में पूरा होने वाला है, जिसके बाद वे गिल्डफोर्ड इलाके में एक प्रॉपर्टी किराए पर लेकर डे-पेशेंट के रूप में अपना इलाज जारी रखेंगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जज ने महराह अल नाहयान को दो साल के कम्युनिटी रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम को पूरा करने और 6114 पाउंड का जुर्माना भरने का आदेश दिया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)